सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 28 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 28 फरवरी, 2025
मूल्य ₹ 3/-

मैंने अपने जीवन में एक भी दिन काम नहीं किया। ये सब मनोरंजन था।
–थॉमस ए. एडीसन

चैंपियंस ट्रॉफी: पाकिस्तान का सफर नौ दिन... 7 | अभिषेक व शिवकुमार ने बढ़ाया... 3 | भीड़ का उचित प्रबंधन नहीं करने... 2

थ्री लैंग्वेज फार्मूला दक्षिण राज्यों में बढ़ा रहा है बीजेपी की मुसीबत

तमिलनाडु के सीएम स्टालिन ने किया आर-पार की लड़ाई का आगाज

» तेलंगाना और कर्नाटक में भी सुलग रही है आग
» बीजेपी ने भी पूछे सवाल

□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने वीडियो जारी कर मोदी सरकार की नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत थ्री लैंग्वेज फार्मूले का मरते दम तक विरोध करने का एलान किया है। तमिलनाडु से पहले कर्नाटक, पंजाब और तेलंगाना से भी विरोध के स्वर फूट चुके हैं।

स्टालिन ने तमिलनाडु की जनता से इस मुद्दे पर मदद की गुहार लगाई हैं। थ्री लैंग्वेज फार्मूले का सबसे ज्यादा विरोध दक्षिण के राज्यों से हो रहा है। गौरतलब है कि यदि यह विरोध तेज होता है और इसे जनता का समर्थन मिलता है तो बीजेपी के लिए यह बड़ी मुसीबत खड़ा करने वाला साबित होगा।

केन्द्र हम पर भाषा युद्ध थोप रहा है : स्टालिन

सीएम एमके स्टालिन ने थ्री लैंग्वेज फार्मूले को सबसे बड़ी चुनौतियों करार दिया है। उन्होंने इसे भाषा युद्ध की संज्ञा दी है और कहा है कि हम इस युद्ध में पहले ही काफी कुछ खो चुके हैं। यह हम पर थोपा नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि यह संदेश लोगों तक पहुंचाना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को हमारे राज्य की रक्षा के लिए उठ खड़ा होना चाहिए। तमिलनाडु के सीएम ने केंद्र सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा, आज हम कर्नाटक पंजाब, तेलंगाना और अन्य जगहों से एकजुटता की आवाज उठते हुए देख रहे हैं। इस प्रतिरोध का सामना करते हुए, केंद्र सरकार जोर देकर कहती है कि वह अपनी इच्छा हम पर नहीं थोप रही है, फिर भी उनके सभी कार्य इसके विपरीत संकेत देते हैं। उनकी त्री-भाषा नीति के कारण पहले ही हमने नुकसान उठाया है। हम तमिलनाडु के कल्याण और भविष्य के साथ किसी भी व्यक्ति या वस्तु के लिए समझौता नहीं करेंगे। तमिलनाडु विरोध करेगा, तमिलनाडु विजयी होगा।

लगातार हो रहा है विरोध

हिंदी को अनिवार्य करने के प्रयासों का कई राज्यों में विरोध होता रहा है। यह विवाद विशेष रूप से दक्षिण भारत, पूर्वोत्तर राज्यों और बंगाल जैसे क्षेत्रों में अधिक तीव्र रहा है, जहाँ क्षेत्रीय भाषाएँ न केवल संचार का माध्यम हैं, बल्कि सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक भी मानी जाती हैं। हिंदी को राजभाषा का दर्जा 1950 में मिला, लेकिन इसे राष्ट्रीय स्तर पर अनिवार्य करने के प्रस्तावों का विरोध शुरू से ही रहा। तमिलनाडु में 1965 का हिंदी विरोधी आंदोलन इसका प्रमुख उदाहरण है। इसी प्रकार, केरल, बंगाल, महाराष्ट्र और कर्नाटक में भी समय-समय पर हिंदी को थोपने के प्रयासों का विरोध हुआ है। क्षेत्रीय भाषाओं के समर्थकों का तर्क है कि प्रत्येक राज्य की अपनी भाषा और संस्कृति है, जिसे संरक्षित किया जाना चाहिए। एक्सपर्ट का मानना है कि यह देश की भाषाई बहुलता के खिलाफ है और इससे गैर-हिंदी भाषी राज्यों में असंतोष बढ़ सकता है। इस विवाद का समाधान बहुभाषिकता को बढ़ावा देने में है। सरकार को हिंदी के साथ-साथ अन्य भारतीय भाषाओं को भी समान महत्व देना चाहिए ताकि भाषाई सौहार्द बना रहे और सभी समुदायों की पहचान सुरक्षित रहे।

शिक्षकों की कमी

सरकार द्वारा लागू की गई नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को प्रभावी रूप से लागू करने में योग्य शिक्षकों की भारी कमी एक बड़ी चुनौती बनकर सामने आ रही है। एनईपी के तहत प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा में शिक्षा देने पर ज़ोर दिया गया है। हालाँकि, सभी भाषाओं के लिए प्रशिक्षित और योग्य शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं। विशेष रूप से आदिवासी और दूरदराज़ के क्षेत्रों में स्थिति और भी गंभीर है, जहाँ स्थानीय भाषाओं में शिक्षण के लिए उपयुक्त शिक्षक मिलना कठिन होता है। इसी तरह, विज्ञान, गणित और तकनीकी विषयों के लिए भी शिक्षकों की कमी बनी हुई है।

क्या है थ्री लैंग्वेज फार्मूला

केंद्र की नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत शैक्षिक प्रणाली में भाषाई संतुलन स्थापित करने के लिए त्री-भाषा नीति अपनाई गयी है। इस नीति का उद्देश्य छात्रों को तीन भाषाओं में शिक्षित करना और भाषाई विविधता को प्रोत्साहित करना है। त्री-भाषा नीति का तात्पर्य तीन भाषाओं के अध्ययन से है, जिनमें से एक मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा, दूसरी हिंदी (गैर-हिंदी भाषी राज्यों में) और तीसरी अंग्रेज़ी या कोई अन्य आधुनिक भारतीय भाषा हो सकती है।

हिंदी बनाम अदर लैंग्वेज

थ्री लैंग्वेज फार्मूला धीरे–धीरे सियासत में हवा के रूख को बदल रहा है। एनडीए और इंडिया गठबधन दोनों ही इसका फायदा और नुकसान अपने–अपने हिसाब से देख रहे है। दक्षिण के राज्यों में बड़ी मुश्किल से बीजेपी को सफलता हासिल हुई हैं। ऐसे में यदि यह लड़ाई हिंदी बनाम क्षेत्रीय भाषा के तौर पर विकसित होती है तो इससे बीजेपी को राजनीतिक नुकसान हो सकता है। स्टालिन ने बड़ी खूबसूरती से इस मुददे को राजनीतिक मुददा बना दिया है। उन्होंने हिंदी पर आरोप लागाये हैं कि वह दर्जनों क्षेत्रीय भाषाओं को निगल चुकी है। स्टालिन ने एक्स पर लिखा कि भोजपुरी, मैथिली, अवधी, ब्रज, बुंदेली, गढ़वाली, कुमाऊंनी, मगही, मारवाड़ी, मालवी, छत्तीसगढ़ी, संथाली, अंगिका, हो, खड़िया, खोरठा, कुरमाली, कुरुख, मुंडारी और कई अन्य भाषाएं अब अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रही हैं। इन भाषाओं का बुरा हाल हिंदी के कारण है।

हिंदी को लेकर स्टालिन की टिप्पणी समाज को बांटने का ओछा प्रयास : वैष्णव

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन की ''हिंदी थोपने'' संबंधी टिप्पणी को उनकी सरकार के खराब शासन को छिपाने के लिए समाज को बांटने का ''ओछा प्रयास'' बताया और सवाल किया कि क्या कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) नेता के विचारों से सहमत हैं। वैष्णव ने सवाल किया कि क्या स्टालिन से लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी सहमत हैं। वैष्णव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''यह जानना दिलचस्प होगा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी जी का इस विषय पर क्या कहना है। क्या वह हिंदी भाषी क्षेत्र की सीट के सांसद के रूप में इससे सहमत हैं। उत्तर भारतीय राज्यों में बीजेपी को इस फार्मूले से क्या फायदा मिलेगा। क्योंकि स्टालिन के विरोध के बाद बीजेपी ने सीधा सवाल राहुल गांधी से पूछा है कि उनके मित्र स्टालिन हिंदी का विरोध कर रहे हैं। उनका क्या कहना है?

अखिलेश कर चुके हैं विरोध

सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव इस नई व्यवस्था का विरोध कर चुके हैं। छात्रों द्वारा संसदीय सत्र के दौरान जंतर–मंतर पर किये गये विरोध प्रर्दशन में भी अखिलेश यादव ने हिस्सा लिया ?था और छात्रों को भरोसा दिलाया था कि वह उनके साथ है।

भीड़ का उचित प्रबंधन नहीं करने से महाकुंभ में आई आपदा : अजय राय

» योगी सरकार पर जमकर बरसे यूपी कांग्रेस अध्यक्ष

» कहा- जनता की सुरक्षा से ज़्यादा 'वीआईपी' लोगों को प्राथमिकता दी गई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय राय ने सीएम योगी और भाजपा पर करारा वार किया है। उन्होंने महाकुंभ में कथित कुप्रबंधन को लेकर योगी आदित्यनाथ सरकार की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता की सुरक्षा से ज़्यादा अति विशिष्ट लोगों को प्राथमिकता दी जा रही है। यहां लहुराबीर स्थित अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत में राय ने कहा, कुंभ में भगदड़ दिल दहला देने वाली थी, लेकिन यह सरकार की वीआईपी संस्कृति का नतीजा थी।

पूरा प्रशासन अति विशिष्ट लोगों की सुविधा में व्यस्त था, जबकि आम श्रद्धालुओं को अपने हाल पर छोड़ दिया गया। भीड़ का उचित प्रबंधन नहीं किया गया और इस लापरवाही के कारण आपदा आई। उधर राज्य सरकार और कई मंत्रियों ने बुधवार को संपन्न हुए कुंभ में कुप्रबंधन के आरोपों का कई मौकों पर खंडन किया है। राज्य सरकार ने पलटवार करते हुए कांग्रेस और समाजवादी पार्टी सहित विपक्षी दलों पर निशाना साधा और उन पर अपनी टिप्पणियों से सनातन धर्म का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''वाराणसी बाबा विश्वनाथ की नगरी है और सदियों से शिव बारात एक पवित्र परंपरा रही है। प्रशासन को इसे बदलने का अधिकार किसने दिया? जनता के व्यापक आक्रोश के बाद ही उन्हें मूल तिथि को बहाल करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

सीएम ने दिखाई असंवेदनशीलता

हजारों लोग अपने प्रियजनों के लिए शोक मना रहे थे, और फिर भी योगी आदित्यनाथ हेलीकॉप्टर से फूल बरसाने में व्यस्त थे। अगर यह असंवेदनशीलता नहीं है, तो क्या है?" राय ने कहा कि कुंभ में ड्यूटी के दौरान मारे गए गाजीपुर के इंस्पेक्टर अंजनी कुमार राय को सम्मानित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा,'अगर सरकार कुंभ का प्रबंधन करने वालों को सम्मानित कर रही है, तो सेवा में अपना जीवन देने वाले इंस्पेक्टर को क्यों नहीं? उनका बलिदान सम्मान का हकदार है।' राज्य के अधिकारियों ने पहले कहा था कि राय उस वक्त कुंभ ड्यूटी पर नहीं थे। राय ने महाशिवरात्रि शिव बारात जुलूस के आरंभिक स्थगन पर भी नाराजगी जताई और इसे धार्मिक परंपराओं पर हमला बताया।

यूपी में कांग्रेस करेगी 600 सभाएं

मतदाताओं से जुड़ने के लिए कांग्रेस ने नई रणनीति अपनाई है। इसके लिए पार्टी हर विधानसभा क्षेत्र में मतदाता जोड़ो महा अभियान चलाएगी। विधानसभा क्षेत्रों में 100 दिन में करीब 600 सभाएं आयोजित कर एक लाख लोगों से संकल्प पत्र भरवाए जाएंगे। इसकी शुरुआत आजमगढ़ के निजामाबाद विधानसभा क्षेत्र से 28 फरवरी से हो रही है। 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस पूरी तत्परता से मैदान में जुटी है। पार्टी यह चुनाव सपा अथवा अन्य दलों से मिलकर लड़ेगी या नहीं, यह तय होना बाकी है, लेकिन पार्टी मतदाताओं को खुद से जोड़ने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रही है। इसी रणनीति के तहत यह मुहिम शुरू की जा रही है। नमस्ते निजामाबाद के नाम से शुरू होने वाले इस महा अभियान की जिम्मेदारी पार्टी के निवर्तमान प्रदेश संगठन महासचिव अनिल यादव को सौंपी गई है। महाअभियान में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सामाजिक न्याय, जातीय जनगणना और संविधान सुरक्षा के मुद्दे पर हर ग्राम पंचायत में तीन सभाएं होंगी। इस तरह पूरे विधानसभा क्षेत्र में 500 से 600 सभाएं होंगी। इस दौरान एक लाख से अधिक लोगों से संकल्प पत्र भरवाया जाएगा। 51 सदस्यों की निजामाबाद एक्शन कमेटी भी बनाई जाएगी।

बद से बदतर हो गई है प्रदेश की कानून व्यवस्था : अवधेश प्रसाद

» सपा कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन, महिला अपराधों सहित कानून व्यवस्था पर योगी सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। सपा ने यूपी की भाजपा सरकार पर जमकर वार किया। सूबे के सबसे बड़े विपक्षी दल ने प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर सीएम योगी पर निशाना साधा। इसी सिलसिले में सपा ने राज्य में सरकार के खिलाऊ धरना प्रदर्श किया। रामनगरी अयोध्या में भी सपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। कानून व्यवस्था को लेकर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता जिला मुख्यालयों पर एकत्र हुए। प्रदेश की योगी सरकार के खिलाफ धरना-प्रदर्शन किया। इस मौके पर सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने भाजपा सरकार को आड़े हाथों लिया गया।

सपा सांसद ने आरोप लगाया कि अयोध्या में दिन प्रतिदिन कानून व्यवस्था बिगड़ती जा रही है। इधर एक-दो महीने में एक दर्जन से अधिक बेटियों के साथ जघन्य अपराध हुआ है। उदाहरण देते हुए सांसद ने बताया कि अयोध्या कोतवाली के शहनवा गांव में बेटी के साथ क्रूरता के साथ हत्या हुई। इस हत्या में भाजपा के लोग फंसे हुए हैं। खंडासा थाना के कुरावन गांव में 14 साल की बालिका के साथ दुष्कर्म हुआ। थाना इनायतनगर क्षेत्र से एक बेटी स्कूल में फीस जमा करने आई थी। आरोपियों ने उसका अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म किया और जब वह बेहोश हो गई तो उसे जिला अस्पताल में भर्ती कर फरार हो गए। इसी तरह से थाना पूराकलंदर क्षेत्र के सरियावां में भी चौकीदार की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। इनायतनगर थाना क्षेत्र के परशुरामपुर सथरा में एक व्यक्ति को मार दिया गया। जनपद में लगातार कानून व्यवस्था बिगड़ती जा रही है। कानून व्यवस्था संभालने में भाजपा सरकार फेल साबित हो रही है।

गृहमंत्री अमित शाह ने दिल्ली की कानून व्यवस्था पर बुलाई बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को दिल्ली की कानून-व्यवस्था के मुद्दे को लेकर बैठक कर रहे हैं यह बैठक सुबह 11 बजे से शुरू हुई है।

दिल्ली में होने वाली इस बैठक में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली के गृह विभाग के मंत्री आशीष सूद के साथ दिल्ली पुलिस के कई बड़े अधिकारी भी शामिल हो रहे हैं. इस बैठक में मुख्य रूप से महिला सुरक्षा और बांग्लादेशी घुसपैठियों को लेकर चर्चा की जाएगी।

शीला दीक्षित की सरकार के बाद ऐसा पहली बार देखने को मिल रहा है, जब केंद्रीय गृह मंत्री दिल्ली की मुख्यमंत्री सहित कई गृह मंत्रालय के शीर्ष अधिकारियों के

कांग्रेस को बदनाम कर रही भाजपा : अशोक गहलोत

» राजस्थान में पार्टी विधायकों के निलंबन पर कांग्रेस का विरोध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान कांग्रेस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अन्य कांग्रेस विधायकों के साथ राज्य विधानसभा में पार्टी के छह विधायकों के निलंबन को लेकर गुरुवार को राजस्थान विधानसभा के बाहर विरोध प्रदर्शन किया।

मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, गहलोत ने कहा कि सत्तारूढ़ दल को हमारे विरोध की कोई चिंता नहीं है। हमें उनकी ओर से कोई संदेश नहीं मिला है। वे गोविंद सिंह डोटासरा को निशाना बना रहे हैं। वे कांग्रेस को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। मैं (इस गतिरोध को खत्म करने के लिए) पिछले तीन दिनों से मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष से बात कर रहा हूं। राज्य के एलओपी टीका राम जूली ने कहा कि वे हमें इस डर से विधानसभा में प्रवेश करने से रोक रहे हैं कि हम भी अपनी बात रखेंगे। सत्ता पक्ष तानाशाही कर रहा है। मैंने संसदीय मंत्री और मुख्यमंत्री से भी बात की। लेकिन सत्ता पक्ष नहीं चाहता कि यह गतिरोध खत्म हो। वे नहीं चाहते कि बजट पर चर्चा हो।

राजस्थान कांग्रेस प्रमुख गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी के खिलाफ की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों को कार्यवाही से बाहर किया जाना चाहिए और मंत्री को माफी मांगनी चाहिए। सरकार के तानाशाही रवैये के कारण हम विधानसभा में प्रवेश नहीं कर पा रहे हैं और लोगों के मुद्दों पर चर्चा नहीं कर पा रहे हैं। कांग्रेस विधायक पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को लेकर राज्य मंत्री अविनाश गहलोत की कथित दादी टिप्पणी को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। राजस्थान के मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि हर गतिरोध का अंत समझौता है। हमारे दरवाजे खुले हैं।

बीजेपी सिर्फ दलितों के नाम पर राजनीति करती है : जूली

विधानसभा में बजट बहस के दौरान नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने बीजेपी पर करारा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पहली बार एक दलित को नेता प्रतिपक्ष बनाया, जबकि बीजेपी सिर्फ दलितों के नाम पर राजनीति कर रही है। उन्होंने पूर्व डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा का जिक्र करते हुए कहा कि बीजेपी ने पहले उन्हें पद दिया, फिर उनके ही टूंडू जिले को खत्म कर दिया। टीकाराम जूली ने बजट को लेकर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि बजट की घोषणाओं को लागू करने में ही मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री के आंकड़ों में 12 दिन में 12त्न का अंतर आ गया है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि वित्त मंत्री ने बजट पढ़ा जरूर, लेकिन पिछली बार प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्हें मुख्यमंत्री के साथ नहीं बैठाया गया। इस बार साथ बिठाया तो गया, लेकिन बोलने नहीं दिया। इसके अलावा, जूली ने फोन टैपिंग मामले पर भी सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि किरोड़ी लाल मीणा के आरोपों पर गृह राज्य मंत्री उसी दिन जवाब दे देते तो गतिरोध नहीं बनता। लेकिन सरकार की लापरवाही के कारण यह मुद्दा खिंचता रहा। टीकाराम जूली ने कहा कि कांग्रेस हमेशा दलितों को सशक्त बनाने के लिए काम करती रही है, जबकि बीजेपी केवल दिखावे की राजनीति करती है। उन्होंने बीजेपी सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि जनता को गुमराह करने का काम किया जा रहा है, लेकिन कांग्रेस पूरी मजबूती से जनता की आवाज उठाती रहेगी।

पूर्व सांसद बृजभूषण पर लगा आपराधिक मुकदमा वापस

» हाईकोर्ट ने राज्य सरकार की अर्जी पर लिया फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने उनके खिलाफ चल रहे आपराधिक मुकदमे को समाप्त कर दिया। यह फैसला राज्य सरकार की उस अर्जी पर आया, जिसमें मुकदमा वापस लेने की मांग की गई थी। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार की इस अर्जी को मंजूर कर लिया।

दरअसल, निचली अदालत ने सरकार के मुकदमा वापसी के प्रार्थना पत्र को पहले खारिज कर दिया था, लेकिन हाईकोर्ट ने निचली अदालत के इस आदेश को भी रद्द कर दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान की एकल पीठ ने बृजभूषण की याचिका पर सुनाया। यह मामला वर्ष 2014 का है, जब गोंडा जिले की नगर कोतवाली में उनके खिलाफ आईपीसी की धारा 188 और 341 के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। उन पर आरोप था कि उन्होंने सीआरपीसी की धारा 144 का उल्लंघन करते हुए लोक सेवक के आदेश की अवहेलना की थी।

अभिषेक व शिवकुमार ने बढ़ाया सियासी पारा!

- भाजपा में जाने को लेकर चर्चा तेज
- दोनों नेताओं ने इन खबरों का किया खंडन
- दोनों ने अपनी पार्टियों में दिखाई आस्था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आजकल सियासत में किसी से मिलना भी राजनीतिक लोगों के लिए दुश्वार हो गया है। अगर कोई विपक्षी नेता सत्ता पक्ष के किसी नेता के कार्यक्रम में पहुंच जाए तो और बवाल में मच जाता है। देश के दो बड़े राज्यों पश्चिम बंगाल व कर्नाटक को लेकर ऐसा की कोहराम मचा हुआ। जहां कर्नाटक में एक कार्यक्रम में कांग्रेस सरकार के डिप्टी सीएम शिवकुमार के बेंगलुरू के एक कार्यक्रम में पहुंचे जहां पर गृहमंत्री अमित शाह भी थे। इसको लेकर अटकलें बढ़ी की वह भाजपा में जा रहें हैं हालांकि उन्होंने इससे इंकार कर दिया।

उधर कुछ इसी तरह की चर्चा बंगाल में भी हो रही हैं टीएमसी के नेता अभिषेक बनर्जी भाजपा में जा रहें है । इस खबर को भी सांसद अभिषेक ने खारिज कर दिया है। तृणमूल कांग्रेस की बैठक में अभिषेक बनर्जी ने खुद को लेकर चल रहे अफवाह पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा कि जो लोग कह रहे हैं कि मैं भाजपा में शामिल हो रहा हूं, वे झूठ फैला रहे हैं। मैं तृणमूल कांग्रेस में गद्दारों को बेनकाब करता रहूंगा, जैसा कि मैंने विधानसभा चुनाव के दौरान किया था। अभिषक बनर्जी ने साफ तौर पर कहा कि मैं तृणमूल कांग्रेस का निष्ठावान सिपाही हूं, मेरी नेता ममता बनर्जी हैं।

26 के लिए हमें तैयार रहना होगा : अभिषेक

तृणमूल के अखिल भारतीय महासचिव अभिषेक ने कहा कि ममता बनर्जी ने कहा कि दो-तिहाई सीटें जीतनी चाहिए। यानी 196, लेकिन मैं कहूंगा कि 214 टॉप वह जगह है जहां हमें जाना चाहिए। अभिषेक ने यह भी कहा, मतदाता सूची का काम हो चुका है। मतदाता सूची में कोताही नहीं बरतनी चाहिए। 26 के लिए हमें इसके लिए तैयार रहना चाहिए। किसी के कॉल करने और निर्देश देने के इंतज़ार में न बैठे रहें। जो लोग टीम से प्यार करते हैं, उन्हें खुद ही मैदान में उतरना होगा।

मैं जन्मजात कांग्रेसी, बीजेपी में जाने का सवाल ही नहीं : डीके शिवकुमार

कर्नाटक में उपमुख्यमंत्री शिवकुमार के एक कार्यक्रम में गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात को लेर सियासी बवाल मच गया है। लोगों ने कयास लगाना शुरू कर दिया है कि वह भाजपा में जा रहे हैं हालांकि उन्होंने इसका खंडन कर दिया है। बता दें कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने पहले प्रयागराज महाकुंभ में स्नान किया और फिर यूपी की योगी सरकार की तारीफ की। इसके बाद वह महाशिवरात्रि के उत्सव पर सद्गुरु जग्गी वासुदेव के ईशा योगा सेंटर में गए। इस कार्यक्रम में गृहमंत्री अमित शाह भी पहुंचे हुए थे। इसके बाद से अटकलें लगाई जा रही हैं कि डीके शिवकुमार भी अब बीजेपी में शामिल हो सकते हैं, इसको लेकर जब उनसे पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मैं जन्म से ही कांग्रेसी हूं। डीके शिवकुमार ने मीडिया से बात करते हुए कहा, ईशा फाउंडेशन आने के लिए मेरी पहले ही आलोचना हो चुकी है। मुझे सदगुरु ने आमंत्रित किया था, इसलिए मैं यहां आया। मैं जन्म से हिंदू हूं, जो सभी धर्मों से प्यार करता है, इसका मतलब यह नहीं है कि मैं बीजेपी के करीब आ रहा हूं, लेकिन मैं अमित शाह से भी नहीं मिला हूं। डिप्टी सीएम ने कहा कि मैंने मीडिया और सोशल मीडिया में देखा है और मेरे दोस्त भी फोन करके पूछ रहे हैं कि क्या मैं बीजेपी के करीब आ रहा हूं, लेकिन ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं जन्म से ही कांग्रेसी हूं. महाकुंभ में मेरी आस्था है और मैं सभी धर्मों का सम्मान करता हूं. ऐसी अटकलें मेरे करीब भी नहीं फटकतीं। मैं बीजेपी के आरोपों को गंभीरता से नहीं लेता।

नौकरी घोटाले में नाम आने पर बगांल में सियासत तेज

दूसरी ओर पश्चिम बंगाल में बुधवार को राजनीतिक गलियारों में उस समय हलचल मच गई, जब यह बात सामने आई कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने ''स्कूल में नौकरी घोटाला'' मामले में दाखिल तीसरे पूरक आरोपपत्र में किसी अभिषेक बनर्जी का नाम लिया है। एजेंसी ने आरोपपत्र में 2017 में रिकॉर्ड एक बातचीत की ऑडियो फाइल का हवाला दिया और किसी अभिषेक बनर्जी का नाम लिया, जिन्होंने अवैध नियुक्तियों के लिए 15 करोड़ रुपये मांगे थे। एजेंसी ने आरोपपत्र में अभिषेक बनर्जी की पहचान स्पष्ट नहीं की, हालांकि यह नाम मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे और तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव के नाम से मिलता है। अतीत में विपक्ष ने उनके खिलाफ घोटाले में शामिल होने का बार-बार आरोप लगाया है।

उमर के बयान से गरमाई जम्मू-कश्मीर की सियासत

- अनुच्छेद 370 के बाद हालात में सुधार की बात कह कर फंसे
- विपक्ष ने किया तीखा हमला
- आरोपों का सिलसिला जारी
- पीडीपी व कांग्रेस ने भी घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में चुनाव से पहले और चुनाव के बाद राजनीति बहुत बदल गई है। जहां कांग्रेस व नेंका ने मिलकर चुनाव लड़ा था पर चुनावों में जब नेंका को पूर्ण बहुमत मिला तो कांग्रेस के साथ उसकी दूरी बढ़ गई। अब सरकार बनने के बाद भाजपा की केंद्र की सरकार के साथ जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला के साथ दोस्ताना संबध बनाए रखा शायद इसमें उनकी मंशा राज्य के लिए ज्यादा से ज्यादा से मदद लेने की रही होगी।

वहीं अब धारा 370 के फेवर बोल कर वह सियासी कोहराम मचा कर अपने को आलोचनाओं के तीर पर पहुंचा दिया है। विपक्ष तो उनको भाजपा के आगे झुकने का अरोप लगा रहें पर उन्होंने कहा कि केंद्र के साथ मिलकर काम करना और भाजपा की राजनीति को स्वीकार करने में बड़ा अंतर है। कुछ लोगों को लगता है कि अगर हम केंद्र के साथ काम कर रहे हैं, तो हम उनके साथ हैं। न भाजपा नेकां को पसंद करती है और न नेकां भाजपा को पसंद करती है। जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए हम केंद्र के साथ मिलकर काम करें, यह हमारी जिम्मेदारी है। केंद्रशासित प्रदेश और राज्य में जमीन आसमान का फर्क है। इसे खुद समझने और समझाने में समय लगता है। वहीं मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को एक निजी चैनल को दिए इंटरव्यू में अनुच्छेद 370 के बाद हालात में सुधार की बात कही है। इससे जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक गलियारों में हलचल आ गई है। उमर के इस बयान को लेकर विपक्षी दल पीडीपी ने आलोचना की है, वहीं, मीरवाइज उमर फारूक ने भी सवाल उठाए हैं।

आपका समर्थन अब कश्मीरियों के खिलाफ कठोर रुख अपनाने के अलावा और कुछ नहीं : वहीद पर्रा

पीडीपी नेता एवं विधायक वहीद पर्रा ने एक्स पर लिखा, प्रिय उमर अब्दुल्ला साहब, चूंकि आप अब शांति का समर्थन कर रहे हैं- अगर आज कश्मीर में शांति दिख रही है, तो इसकी वजह यूएपीए, पीएसए, एनआईए, घरों और संपत्तियों की कुर्की, सत्यापन, कड़े कानूनों के तहत कैदियों को बाहर रखना और कर्मियों को नौकरी से निकालना है। यह

आपके चुनाव अभियान व घोषणापत्र से पूरी तरह उलट है। आपका समर्थन अब कश्मीरियों के खिलाफ कठोर रुख अपनाने के अलावा और कुछ नहीं है। पर्रा ने आगे लिखा, अगर आज अलगाववादी गतिविधि नहीं है, तो इसकी वजह अलगाववादियों के खिलाफ कड़े कदम, हुर्रियत और जमात पर प्रतिबंध है। अगर मीरवाइज को सुरक्षा दी गई है, तो यह उनकी सुरक्षा के लिए नहीं, बल्कि इसलिए है, क्योंकि उनकी कमजोरी बढ़ गई है।

सीएम जिम्मेदार पद पर बैठे हैं ऐसी टिप्पणी न करें : उमर फारूक

जो एक जिम्मेदार पद पर बैठे हैं और समझदारी से बात करते हैं। उनकी ओर से मीरवाइज को दी गई सुरक्षा के पीछे मकसद बताते हुए और परिस्थितियों को जानते हुए भी बेतुकी टिप्पणी बेहद खेदजनक है। इस तरह की गैरजिम्मेदाराना टिप्पणियों से टिप्पणीकारों की असुरक्षा और मानसिकता के बारे में पहले से ही परेशान व दमित लोगों के बीच अधिक मोहभंग होता है।

और भी बहुत कुछ देखने के लिए, तैयार हो जाइए : लोन

जम्मू-कश्मीर पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद लोन ने भी एक्स पर लिखा, सीएम साहब कोई भावना न दिखाते हुए अपनी बात छिपाने की कोशिश कर रहे हैं। मैं 370 हटाने के लिए अनिच्छा से मौन समर्थन पर आश्चर्यचकित नहीं हूं। यह उनके लिए वोट करने वालों के लिए सिर्फ ट्रेलर है। फिल्म अभी शुरू होनी है। और भी बहुत कुछ देखने के लिए तैयार हो जाइए।

शराब जीवन और परिवारों को बर्बाद कर रहा है : इल्तिजा

पीडीपी नेता इल्तिजा मुफ्ती ने लिखा कि शराब और ड्रग्स जम्मू-कश्मीर में जीवन और परिवारों को बर्बाद कर रहे हैं। उन्होंने कहा धारा 370 हटने के बाद इसमें और इजाफा हुआ है। इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, हमें इसे खत्म करने के लिए एक साथ आना होगा। इल्तिजा मुफ्ती ने कहा कि हम यहां एक बहुत ही गंभीर मुद्दे पर चर्चा करने आये हैं। जम्मू-कश्मीर में ड्रग्स और शराब का मुद्दा आग की तरह फैल रहा है। कुपवाड़ा से हमारे विधायक फैयाज अहमद मीर ने शराबबंदी पर जम्मू-कश्मीर विधानसभा में एक विधेयक पेश किया है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के युवा शराब और ड्रग्स की ओर जा रहे हैं। हम लोगों में जागरूकता पैदा करना चाहते थे। नशीली दवाओं के खिलाफ और लोगों से हमारा समर्थन करने के लिए कहना है। उन्होंने कहा कि मैं जनता से अनुरोध करती हूं कि वे हमारे अभियान में हमारे साथ आएं। पिछले 4-5 वर्षों से, जम्मू-कश्मीर पुलिस नशीली दवाओं के खतरे को रोकने के लिए बहुत अच्छे से काम कर रही है। मैं उनसे अनुरोध करती हूं कि वे जम्मू-कश्मीर में मुफ्त उपलब्ध शराब पर रोक लगाएं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

शिक्षकों और विशेषज्ञों की कमी दूर करनी होगी

कुल मिलाकर ऐस माना जा रहा है कि प्रशिक्षित शिक्षकों और विशेषज्ञों की कमी भी बड़ी बाधा बन रही अच्छे बच्चों के भविष्य के लिए। वहीं नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 ने खेल और शारीरिक शिक्षा को महत्व दिया है, लेकिन इसे अब भी एक वैकल्पिक विषय के रूप में देखा जाता है।प्रशिक्षित शिक्षकों और विशेषज्ञों की कमी भी खेल शिक्षा के विकास में एक बड़ी बाधा बनी हुई है।

पूरे देश में फाइनल परीक्षाएं शुरू हो गई हैं। खासतौर पर बोर्ड की परीक्षाओं के समय छात्र दबाव में आ जाते हैं। माता-पिता के साथ अध्यापक भी बच्चों पर दबाव बनाने लगतें हैं कि वह बोर्ड परीक्षाओं के लिए मेहनत करें और ज्यादा से ज्यादा अंक हासिल करे। ये कुल मिलाकर उचित नहीं है इससे बच्चे परीक्षा के समय तनाव में आकर अपनी परीक्षा को गलत कर जाते हैं और बाद में कुछ गलत कदम भी उठा लेते हैं। कुल मिलाकर ऐस माना जा रहा है कि प्रशिक्षित शिक्षकों और विशेषज्ञों की कमी भी बड़ी बाधा बन रही अच्छे बच्चों के भविष्य के लिए। वहीं नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 ने खेल और शारीरिक शिक्षा को महत्व दिया है, लेकिन इसे अब भी एक वैकल्पिक विषय के रूप में देखा जाता है।प्रशिक्षित शिक्षकों और विशेषज्ञों की कमी भी खेल शिक्षा के विकास में एक बड़ी बाधा बनी हुई है।

चूंकि खेल विज्ञान और खेल प्रबंधन अपेक्षाकृत नए क्षेत्र हैं, इसलिए इन विषयों में योग्य शिक्षकों और विशेषज्ञों की उपलब्धता सीमित है। इससे विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण और शिक्षण प्राप्त करने में कठिनाई होती है। इसे मुख्यधारा की शिक्षा प्रणाली में सम्मिलित करने की सख्त आवश्यकता है ताकि विद्यार्थियों को खेल और शारीरिक शिक्षा में अधिक अवसर मिल सकें और इस क्षेत्र को एक सम्मानजनक करियर विकल्प के रूप में देखा जाए। जब तक खेल शिक्षा को मुख्यधारा में स्थान नहीं दिया जाएगा और इसे अन्य विषयों के समकक्ष नहीं माना जाएगा, तब तक खेल क्षेत्र में दीर्घकालिक प्रगति करना मुश्किल होगा। भारत में खेल शिक्षा को संगठित और प्रभावी बनाने के लिए एक केंद्रीय नियामक निकाय की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही है। इस दिशा में राष्ट्रीय खेल शिक्षा परिषद जैसे निकाय की स्थापना एक महत्त्वपूर्ण कदम हो सकता है। यह निकाय देशभर के खेल और शारीरिक शिक्षा पाठ्यक्रमों को मानकीकृत करने के साथ-साथ खेल विज्ञान, खेल प्रबंधन, खेल पोषण और खेल मनोविज्ञान जैसे विषयों के लिए एक समग्र नीति विकसित कर सकता है। इसके अलावा, शारीरिक शिक्षकों और खेल विशेषज्ञों के लिए प्रमाणन और लाइसेंसिंग की एक व्यवस्थित प्रक्रिया तैयार की जा सकती है, जिससे इस क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और प्रशिक्षण सुनिश्चित हो सके। ग्रामीण स्तर पर हालांकि शारिरीक शिक्षा पर ध्यान दिया जाता है। इसलिए सेना व पुलिस की भर्तियों में गांवों के परीक्षार्थी ज्यादा संख्या में दिखाई देते हैं। अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) को बढ़ावा देकर खेल शिक्षा में नवाचार और आधुनिक तकनीकों का समावेश किया जा सकता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

खतरे में है कश्मीर की नैसर्गिक अस्मिता

पंकज चतुर्वेदी

बीते कुछ सालों में कश्मीर घाटी के मौसम में बदलाव यहां के नैसर्गिक पर्यावरण के अस्तित्व के लिए खतरा बन गया है। आमतौर पर 21 दिसंबर से 29 जनवरी तक कश्मीर घाटी में चिलई कलां के दौरान तापमान शून्य से नीचे और भारी बर्फबारी होती है। मौसम विज्ञानियों ने भविष्यवाणी की थी कि 2024-2025 में ला नीना प्रभाव के कारण इस क्षेत्र में अच्छी बरसात होगी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। न बर्फ गिरी और न ही बरसात। मौसम विभाग ने पहले ही कश्मीर घाटी में जनवरी के महीने में 81 प्रतिशत कम बारिश होने के चलते अलर्ट जारी किया है। कठुआ में पिछले करीब तीन माह के दौरान क्षेत्र में इस बार पर्याप्त वर्षा न होने के कारण किसानों की फसलें सूखने के कगार पर आ गई हैं।

सर्दियों में गर्मी का खेती-किसानी पर असर कई तरीके से हो रहा है। तापमान बढ़ने से कीटों की सुप्तावस्था जल्दी समाप्त हो जाती है, जिससे उनके संक्रमण चक्र बढ़ जाते हैं। जब फल के पेड़ों पर फूल आते हैं, तभी कीट का प्रकोप बढ़ने पर कीट नियंत्रण अधिक कठिन हो जाता है। पुष्पावस्था में कीटनाशकों का छिड़काव उपज और गुणवत्ता दोनों को प्रभावित करता है। सेब फल के पत्तों को खाने वाले कीट सक्रिय हो जाते हैं। इसके अलावा पत्ता गोभी सहित अधिकांश सब्जियों के पौधों पर कीट हमला कर रहे हैं। उच्च तापमान से कुछ ऐसे एंजाइमों का उत्पादन होता है जो समशीतोष्ण फलों के पेड़ों के लिए हानिकारक होते हैं। आलूबुखारा, खुबानी, चेरी, नाशपाती और यहां तक कि सेब जैसी बागवानी फसलों पर जल्दी फूल लगने से उनका उत्पादन चक्र गड़बड़ा रहा है और अनुकूल मौसम न होने के कारण या तो फूल फल में परिवर्तित नहीं हो पा रहे या फिर बहुत कमजोर हो रहे हैं। तापमान का असर मधुमक्खी और भंवरे जैसे कीटों पर भी पड़ा है, जिससे परागण की नैसर्गिक प्रक्रिया प्रभावित हुई है। वैसे भी सेब की अच्छी फसल के लिए चालीस दिन के लिए कड़ाके की ठंड अनिवार्य होती है जो इस बार दिखी नहीं।

कुछ साल पहले तक कश्मीर में सालाना 20 से 25 लाख मीट्रिक टन से अधिक सेब की पैदावार होती थी, अब यह घट कर केवल 17-18 लाख मीट्रिक टन रह गई है। जलवायु परिवर्तन से सर्वाधिक प्रभावित हुई है केसर की खेती। बेमौसम गर्मी के कारण न तो उसकी जड़ों का विस्तार हो पा रहा है और न ही पौधे की वृद्धि। कम बर्फबारी

का सबसे दूरगामी कुप्रभाव है यहां की जल निधियों का अभी से सूखना। गांदरबल जिले की कई सरिताएं और छोटी नदियां अब सूख चुकी हैं। अनंतनाग जिले के मशहूर अचाबल तालाब में तली दिख रही है। कभी इससे 15 गांवों को पानी की आपूर्ति और कई सौ एकड़ धान के खेतों की सिंचाई होती थी। अनंतनाग जिले में वेरीनाग स्रोत में पानी का बहाव बहुत कम हो गया है। वेरीनाग से झेलम नदी निकलती है, जो घाटी के बीच से अनंतनाग, पुलवामा, श्रीनगर, गांदरबल, बांदीपोरा और बारामूला जिलों तक बहती है और फिर पाकिस्तान के मिथनकोट में सिंधु नदी में मिल जाती है। सिंधु में मिलने से पहले, झेलम और रावी चेनाब नदी में मिलती हैं। समझा जा सकता है कि झेलम की धार कमजोर होने का अर्थ है कि कश्मीर में भयानक जल संकट। इससे भी बड़ा संकट है जमीन और जंगलों के शुष्क होने का। यह जंगल की आग का बड़ा कारक होता है। वैसे भी कश्मीर में जंगल साल दर साल कम हो रहे हैं। ग्लोबल फॉरेस्ट वॉच के आंकड़ों के अनुसार, 2023 में, जम्मू और कश्मीर ने 112 हेक्टेयर प्राकृतिक वन को खो दिया। वर्ष 2020 में, इस क्षेत्र में 1.15 मिलियन हेक्टेयर प्राकृतिक वन था, जो इसके भूमि क्षेत्र का 11 प्रतिशत था। हालांकि, इस क्षेत्र में जंगल में आग की घटनाओं में इजाफा हुआ है और इसका मूल कारण भी कम बर्फबारी से उत्पन्न शुष्क परिवेश है। वर्ष 2001 और 2023 के बीच, जम्मू और कश्मीर में आग लगने से 23 प्रतिशत पेड़ों का नुकसान हुआ। आमतौर पर, एक चिनार 30 मीटर (98 फीट) या उससे अधिक तक बढ़ता है, और अपनी दीर्घायु और फैले हुए मुकुट के लिए जाना जाता है।

पेड़ों को अपनी परिपक्व ऊंचाई तक पहुंचने में लगभग 30 से 50 साल लगते हैं और उन्हें अपने पूर्ण आकार तक बढ़ने में लगभग 150 साल लगते हैं। कश्मीर के वन विभाग की 2021 की एक पुस्तिका के अनुसार, कश्मीर में चिनार के पेड़ों की संख्या में गिरावट आई है। जंगल कम होने से कस्तूरी मृग और अन्य कई दुर्लभ जानवरों के अस्तित्व पर संकट मंडरा रहा है। हाल के वर्षों में यहां बर्फबारी और बारिश में भारी कमी के चलते कई गंभीर समस्याएं पैदा हो रही हैं, जो एक बड़े जलवायु संकट का संकेत है। सरकार और स्थानीय प्रशासन को जल संरक्षण, वनीकरण और जलवायु अनुकूलन रणनीतियों पर ध्यान देना होगा।

नेताओं को बौना बना रही है संकीर्णता

विश्वनाथ सचदेव

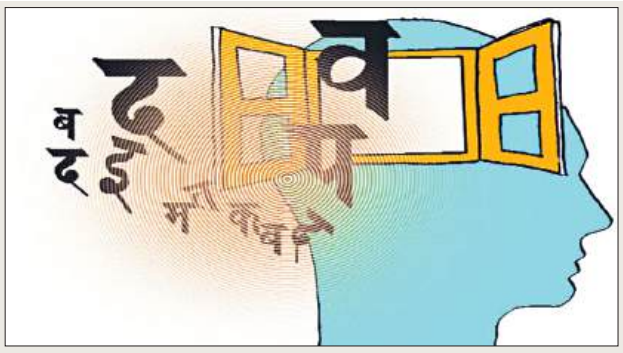

भूल जाना आदमी की फितरत है। आदमी अच्छी बातें भी भूल जाता है, और बुरी बातें भी। बुरी बातों को भूल जाना तो अच्छी बात है, पर कुछ अच्छी बातों को भूल जाना अच्छा नहीं है। ऐसी ही अच्छी बात वर्ष 1965 की भारत-पाक लड़ाई है, जिसमें भारत ने पाकिस्तान को मात दी थी। पता नहीं कितनों को याद होगा कि उस लड़ाई में अब्दुल हमीद नाम का एक भारतीय सैनिक भी था, जिसने पाकिस्तानी टैंकों को नष्ट करके हमारी जीत को संभव बना दिया था। तब क्वार्टर मास्टर अब्दुल हमीद ने हमें जिता तो दिया, पर अपनी जान की कीमत देकर। कृतज्ञ राष्ट्र ने उस जांबाज शहीद को मरणोपरांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया था।

इस शहीद का जन्म उत्तर प्रदेश के दुल्लहपुर नामक गांव में हुआ था। गांव वालों ने अपने इस सपूत के सम्मान में गांव के स्कूल का नाम वीर अब्दुल हमीद उच्च प्राथमिक विद्यालय रखा था। बरसों से यह नाम गांव की एक पहचान बना हुआ था। कुछ ही अर्सा पहले स्कूल का नाम बदल दिया गया- नया नाम पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय धामपुर कर दिया गया। क्यों बदला गया, किसी ने नहीं बताया। बस बदल दिया! नाम बदलने की यह अकेली घटना नहीं है। कुछ दिन पहले ही उत्तर प्रदेश के गाजीपुर से मऊ को जोड़ने वाली सड़क पर बने एक द्वार का नाम ऐसे ही बदल दिया गया था। ब्रिगेडियर मोहम्मद उस्मान के नाम का यह द्वार बुलडोजर चला कर गिरा दिया गया। मुख्तार अहमद अंसारी के नाम पर बने एक कॉलेज की दीवारें गिरा देने वाला समाचार भी हाल ही का है। यह बात भुला दी गयी कि मुख्तार अहमद अंसारी कभी कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे। आज़ादी की लड़ाई के दौरान यह पद संभालने वाले अंसारी जामिया मिलिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी की नींव रखने वालों में थे। नाम बदलने का यह सिलसिला अब नया नहीं लगता। चौंकाता भी नहीं। पिछले दो दशकों में न जाने कितनी जगह के नाम बदले गये हैं। ज़्यादातर नाम मुसलमानों के हैं। सवाल उठता है कि ऐसा क्यों? नाम बदलने से इतिहास नहीं बदलता।

औरंगजेब ने भले ही अत्याचार किये हों, पर वह वर्षों तक इस देश में शासन करता रहा, यह हकीकत तो अपनी जगह है। फिर, हम क्यों भूल जाते हैं कि किसी औरंगजेब को याद करने का मतलब उन अत्याचारों की भी याद दिलाता है, जिनसे हमारे इतिहास के पन्ने भरे हुए हैं। ऐसी बातों को याद रखना इसलिए भी ज़रूरी है कि इन्हें दुहराया न जाये। बहरहाल, जगहों के नाम बदलना कोई नयी बात नहीं है। पर इस प्रक्रिया के पीछे की मानसिकता को भी समझा जाना चाहिए। ऐसा नहीं है कि शहरों आदि के नाम बदलने का काम सिर्फ भाजपा शासित राज्यों में ही हो रहा है। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, द्रमुक आदि पार्टियों ने भी अपने-अपने शासन काल में इस तरह नाम बदले हैं। सच्चाई यह है कि अक्सर यह बदलाव राजनीतिक स्वार्थ का परिणाम होते हैं। अपने-अपने हितों के लिए हमारे राजनीतिक दल अक्सर जगहों का नाम बदलना एक आसान मार्ग समझ लेते हैं। लेकिन, यह आसान मार्ग अक्सर राष्ट्रीय हितों से भटका देता है, इस बात को भुलाना अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मारने जैसा है।

देश में, विशेषकर उत्तर प्रदेश में नाम बदलने की जो कवायद इस समय चल रही है वह उन सबके लिए चिंता का विषय होनी चाहिए जो राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देते हैं। सन 2012 से 2022 के बीच उत्तर प्रदेश में 11 जिलों के नाम बदले गये थे, और यह प्रक्रिया लगातार जारी है। इलाहाबाद का प्रयागराज होना या फैजाबाद को अयोध्या नाम दिया जाना तो फिर भी कुछ समझ आता है, पर गोरखपुर के उर्दू बाजार को हिंदी बाजार नाम देने का क्या तुक है? न जाने कब से यह विवाद चल रहा है। एक वक्त ऐसा भी आया था जब इस बाजार में एक तरफ की दुकानों के बोर्ड पर पता उर्दू बाजार लिखा होता था और दूसरी तरफ हिंदी बाज़ार। इस बाज़ार को यह नाम इसलिए दिया गया होगा कि यहां अधिकतर दुकानों पर उर्दू किताबें बिकती थीं। किताबों की कुछ दुकानें अब भी हैं। दोनों भाषाओं की किताबें बिकती हैं यहां, शायद उर्दू की किताबों वाली दुकानें संख्या में अधिक हों। इस उर्दू बाजार को हिंदी बाजार नाम देने की जिद क्यों? इस तरह की ज़िद से समाज जुड़ता या बनता नहीं, टूटता और बिखरता है। उत्तर प्रदेश में एक और अभियान भी चल रहा है- उर्दू को कठमुल्ला बनाने की भाषा घोषित करने का! राज्य की विधानसभा में कार्रवाई के अवधी, बृज आदि अनुवादों की व्यवस्था की गई है।

जब सदन में यह मांग की गयी कि ऐसी व्यवस्था उर्दू के लिए भी की जानी चाहिए तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा- उर्दू माध्यम से पढ़ाकर कठमुल्ले बनाये जा रहे हैं। इस पर विवाद होना स्वाभाविक था। विवाद चल भी रहा है। किसी भी भाषा के प्रति इस तरह के विचार रखना अपने आप में किसी अपराध से कम नहीं है। पर हमारे राजनेता ऐसे अपराध को राजनीतिक स्वार्थ साधने का माध्यम मानते हैं। यही नहीं, अब तो यह भी खुलेआम कहा जा रहा है कि उर्दू इस देश की भाषा ही नहीं है। कौन बताये कि उर्दू भाषा का जन्म इसी भारत में हुआ है, उत्तर प्रदेश के शहर मेरठ के आस-पास। उर्दू के पक्ष में आवाज उठाने वालों को पाकिस्तान भेजने की बात करने वालों को यह कौन समझाये कि उर्दू पाकिस्तान के किसी भी हिस्से की भाषा नहीं थी। पाकिस्तान ने यह भाषा हमसे ली है। और हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि उर्दू को पाकिस्तान की राजभाषा बनाने के विरोध में ही बांग्लादेश पाकिस्तान से अलग हुआ था।

मणिपुर चक्र

आत्मबल और ऊर्जा का केंद्र

मणिपुर चक्र योग और तंत्र में वर्णित सात प्रमुख चक्रों में से तीसरा चक्र है। इसे सोलर प्लेक्सस चक्र भी कहा जाता है। संस्कृत में मणिपुर का अर्थ है आभूषणों का शहर या रत्नों का स्थान। यह चक्र आत्मबल, आत्मविश्वास और आंतरिक शक्ति का केंद्र माना जाता है। इस चक्र का जागरण व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मणिपुर चक्र शरीर में नाभि के ठीक पीछे स्थित होता है, जिसे सौर जाल भी कहा जाता है। यह ऊर्जा का एक महत्वपूर्ण केंद्र है और व्यक्ति की इच्छाशक्ति, आत्मविश्वास और निर्णय लेने की क्षमता को नियंत्रित करता है। इसका प्रतीक एक दस-पंखुड़ी वाला पीला कमल है, जो आत्मबल और प्रकाश का प्रतीक है। यह चक्र अग्नि तत्व से जुड़ा हुआ है और इसका रंग पीला माना जाता है, जो ऊर्जा, शक्ति और परिवर्तन का प्रतीक है।

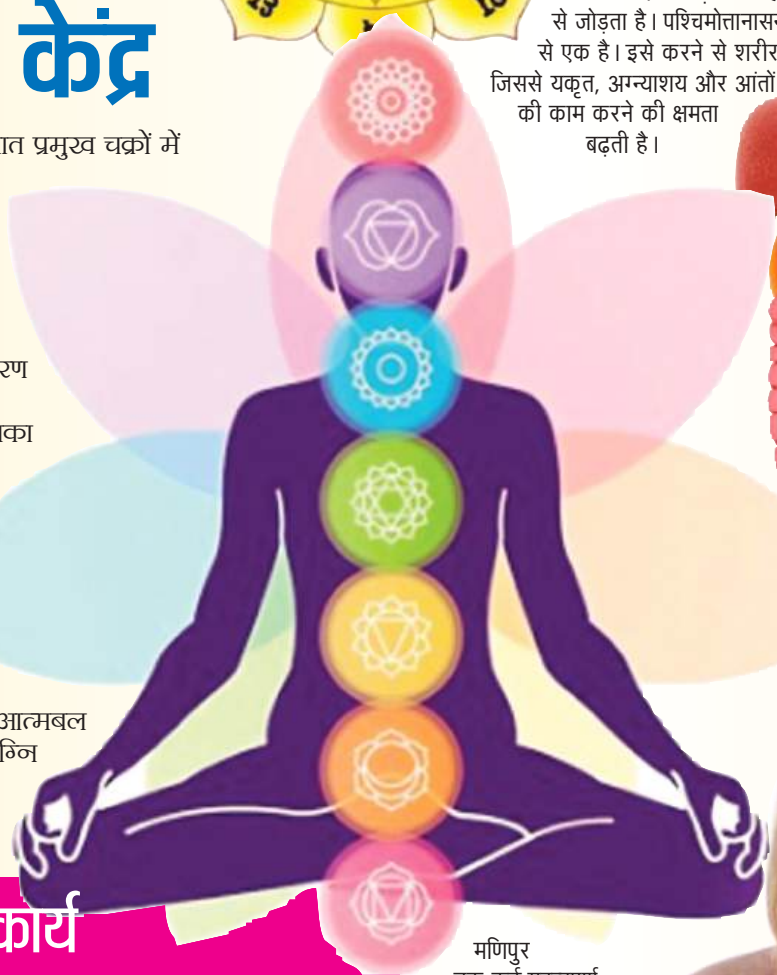

मणिपुर चक्र का कार्य

मणिपुर चक्र कई महत्वपूर्ण कार्य करता है जो हमारे शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं। यह चक्र पाचन तंत्र, अग्न्याशय, जिगर, पित्ताशय और पाचन अग्नि को नियंत्रित करता है। स्वस्थ मणिपुर चक्र व्यक्ति के पाचन को मजबूत बनाता है और शरीर में ऊर्जा बनाए रखता है। यह आत्म-सम्मान, इच्छाशक्ति, आत्म-नियंत्रण और आत्म-स्वीकृति को प्रभावित करता है। इसका असंतुलन व्यक्ति में हीनभावना, क्रोध, संकोच या आत्म-संदेह पैदा कर सकता है। यह चक्र आध्यात्मिक शक्ति और आत्म-प्रकाश के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। इसके जागरण से व्यक्ति आत्म-ज्ञान प्राप्त करता है और अपनी उच्चतम क्षमता को प्राप्त कर सकता है।

योग से सक्रिय करें चक्र

मणिपुर चक्र को जाग्रत करने के लिए विशेष योगासन और प्राणायाम किए जाते हैं। जैसे कपालभाति योग चक्र को सक्रिय करता है और आंतरिक ऊर्जा बढ़ाता है। अनुलोम-विलोम भी मानसिक संतुलन बनाए रखने में सहायक होता है। प्राणायाम से मणिपुर चक्र से पूर्ण रूप से सक्रिय करता है। सूर्य ध्यान करने से पीले प्रकाश की कल्पना करते हुए सूर्य की ऊर्जा का ध्यान करना और अग्नि ध्यान करने से शरीर के भीतर अग्नि तत्व की शक्ति को महसूस करते है। नवासन तीसरे चक्र को उत्तेजित करने में मदद करता है। नाभि पर दबाव पड़ने से यह अग्नि तत्व को सक्रिय करता है और हमें हमारे केंद्र से जोड़ता है। पश्चिमोत्तानासन पाचन प्रक्रिया के लिए सबसे फायदेमंद आसनों में से एक है। इसे करने से शरीर में ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है। जिससे यकृत, अग्न्याशय और आंतों की काम करने की क्षमता बढ़ती है।

शारीरिक लाभ

बेहतर पाचन तंत्र और ऊर्जा स्तर में वृद्धि होती है। प्रतिरोधक क्षमता में सुधार होता है। यह आत्म-स्वीकृति और आत्म-सम्मान में वृद्धि होती है। नकारात्मकता और तनाव से मुक्ति मिलती है। निर्णय लेने और लक्ष्य प्राप्त करने की क्षमता बढ़ती है। आंतरिक शक्ति और आत्म-ज्ञान की प्राप्ति होती है। जीवन में संतुलन और मानसिक स्पष्टता बढ़ती है। उच्च आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव होता है।

मणिपुर चक्र का असंतुलन

मणिपुर चक्र के असंतुलन के कारण व्यक्ति शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक समस्याओं का सामना कर सकता है। इससे अत्यधिक गुस्सा, अधीरता और चिड़चिड़ापन हो जाता है। यह दूसरों पर हावी होने की प्रवृत्ति जागरित करता हैऔर दूसरों को नियंत्रित करने की इच्छाशक्ति बढ़ाता है। अहंकार में वृद्धि और खुद को सबसे श्रेष्ठ मानने की इच्छाशक्तिबढ़ती है। अत्यधिक महत्वाकांक्षा और लालच हो जाता है। आत्मविश्वास की कमी और हीन भावना हो जाती है। निर्णय लेने में कठिनाई और दूसरों पर निर्भरता बढ़ जाती है। पाचन संबंधी समस्याएं जैसे गैस, अपच, मधुमेह आदि हो जाते है। मानसिक थकान और प्रेरणा की कमी हो जाती है।

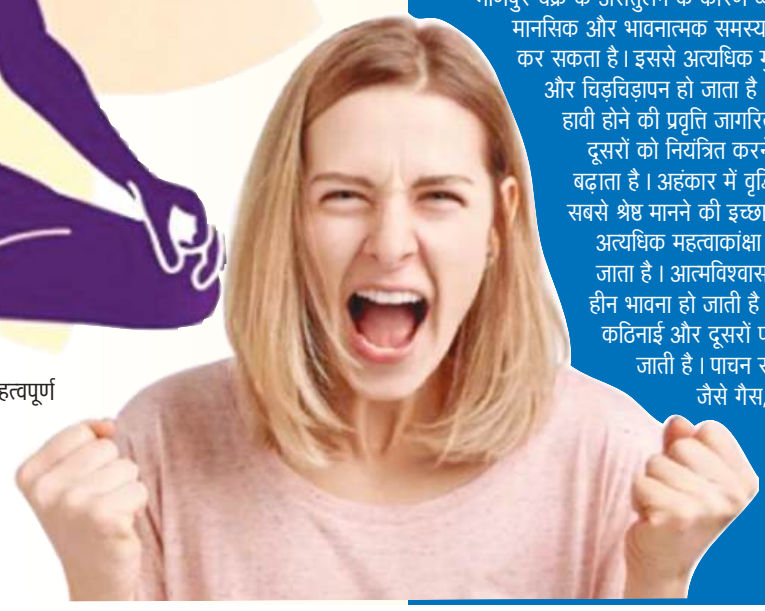

हंसना मना है

एक लड़का पार्क में पेड़ के पीछे अपनी गर्लफ्रेंड के साथ खड़ा था, एक वृद्ध आदमी के पास से गुजरा और बोला- बेटे क्या यह हमारी संस्कृति है? लड़का- नहीं अंकल, यह तो मल्होत्रा अंकल की टीना है, आप दुसरे पेड़ के पीछे चेक कीजिए शायद वहां हो।

खैरियत पूछने का जमाना गया साहिब, आदमी ऑनलाइन दिख जाये तो समझ लेना सब ठीक है.. भगवान हम सबको ऑनलाइन रखे।

तुम ही हो मेरे आंखों के तारे, तुम ही हो मेरे जीने के सहारे, बहुत परेशान हूं मैं मेरे यार, उधारी के पैसे चूका दो सारे।

पति-पत्नी दोनों मार्किट गए, वहां पति ने एक अनजान लड़की से कहा हेलो! पत्नी गुस्से में - बताओ ये कौन थी? पति कुछ सोचकर - ओए चुप कर, अभी उसे भी बताना है की, तुम कौन हो..!

पति- काम के लिए बाई रखे? पत्नी-नहीं चाहिए। पति- क्यों? पत्नी- तुम्हारी आदतें मैं अच्छी तरह से जानती हूं। भूल गए? पहले मैं भी बाई ही थी!

सरकार का नया रूल, जिसके 5 बच्चे हो उसे घर मिलेगा। पप्पू के 3 थे उसने वाईफ से कहा, पड़ोस के 2 मेरे है उनको लेके आता हूं! (लाने के बाद) पप्पू: अपने 3 कहां गए? वाईफ : जिसके थे वह ले गया।

कहानी | चोर की दाढ़ी में तिनका

बच्चों, अकबर और बीरबल के कई कहानियां प्रसिद्ध हैं। यह कहानियां सभी के दिल में अपनी छाप छोड़ने के साथ-साथ अच्छी शिक्षा देना का भी काम करती हैं। उन्हीं में से एक है, चोर की दाढ़ी में तिनका। एक बार की बात है, बादशाह अकबर की सबसे प्यारी अंगूठी अचानक गुम हो गई थी। बहुत ढूंढने पर भी वह नहीं मिली। इस कारण बादशाह अकबर चिंतित हो जाते हैं और इस बात का जिक्र बीरबल से करते हैं। इस पर बीरबल, महाराजा अकबर से पूछते है कि महाराज, आपने अंगूठी कब उतारी थी और उसे कहां रखा था।' बादशाह अकबर कहते हैं, 'मैंने नहाने से पहले अपनी अंगूठी को अलमारी में रखा था और जब वापस आया, तो अंगूठी अलमारी में नहीं थी।' फिर बीरबल, अकबर से कहते हैं कि तब तो अंगूठी गुम नहीं चोरी हुई है और यह सब महल में साफ-सफाई करने वाले किसी कर्मचारी ने ही किया होगा।' यह सुनकर बादशाह ने सभी सेवकों को हाजिर होने को कहा। उनके कमरे में साफ-सफाई करने के लिए कुछ 5 कर्मचारी तैनात थे और पांचों हाजिर हो गए। सेवकों के हाजिर होने के बाद बीरबल ने उन सभी को कहा कि महाराज की अंगूठी चोरी हो गई है, जो अलमारी में रखी थी। अगर आप में से किसी ने उठाई है, तो बता दे, वरना मुझे अलमारी से ही पूछना पड़ेगा।' फिर बीरबल अलमारी के पास जाकर कुछ फुसफुसाने लगे। इसके बाद मुस्कुराते हुए पांचों सेवकों से कहा कि चोर मुझसे बच नहीं सकता है, क्योंकि चोर की दाढ़ी में तिनका है।' यह बात सुनकर उन पांचों में से एक ने सबसे नजर बचाकर दाढ़ी में हाथ फेरा जैसे कि वह तिनका निकालने की कोशिश कर रहा हो। इसी बीच बीरबल की नजर उस पर पड़ गई और सिपाहियों को तुरंत चोर को गिरफ्तार करने का आदेश दिया। जब बादशाह अकबर ने उससे सख्ती से पूछा, तो उसने अपना गुनाह कबुल कर लिया और बादशाह की अंगूठी वापस कर दी। बादशाह अकबर अपनी अंगूठी पाकर बेहद प्रसन्न हुए।

कहानी से सीख: इस कहानी से यह सीख मिलती है कि ताकत की जगह दिमाग का इस्तेमाल करने से हर समस्या का हल मिल सकता है।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज व्यवसाय ठीक चलेगा। पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। व्यय होगा। प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में नए अनुबंध लाभकारी रहेंगे। परिश्रम का अनुकूल फल मिलेगा।

वृषभ

यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। जोखिम न लें। रोजगार मिलेगा। अप्रत्याशित लाभ संभव है। धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी।

मिथुन

विवाद से क्लेश होगा। फालतू खर्च होगा। पुराना रोग परेशान कर सकता है। जोखिम न लें। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा।

कर्क

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। जोखिम न उठाएं। आज का दिन आपके लिए शुभ रहने की संभावना है।

सिंह

मेहनत का फल मिलेगा। योजना फलीभूत होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कर्ज से दूर रहना चाहिए। खर्च में कमी होगी। प्रतिष्ठितजनों से मेल-जोल बढ़ेगा।

कन्या

चोट व रोग से बचें। कानूनी अड़चन दूर होगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। क्रय-विक्रय के कार्यों में लाभ होगा। योजनाएं बनेंगी। भाइयों से अनबन हो सकती है।

तुला

कुसंगति से हानि होगी। वाहन मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें, जोखिम न लें। व्यापारिक लाभ होगा। संतान के प्रति झुकाव बढ़ेगा।

वृश्चिक

राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। जायदाद संबंधी समस्या सुलझने के आसार बनेंगे।

धनु

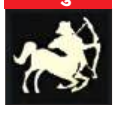

संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। धैर्य एवं शांति से वाद-विवादों से निपट सकेंगे। दुस्साहस न करें।

मकर

किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ होगा। धन संचय की बात बनेगी। परिवार के कार्यों पर ध्यान देना जरूरी है।

कुम्भ

बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। थकान रहेगी। व्यापार-व्यवसाय संतोषप्रद रहेगा। आपसी संबंधों को महत्व दें।

मीन

मेहनत का फल कम मिलेगा। कार्य की प्रशंसा होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रसन्नता रहेगी। संतान की शिक्षा की चिंता समाप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

सफलता वही टिकती है जो लंबी मेहनत के बाद मिले : अनीस

कभी निर्माता निर्देशक मनमोहन देसाई की फिल्म 'नसीब' में शत्रुघ्न सिन्हा के बचपन का रोल करने वाले अनीस बज्मी की गिनती अब हिंदी सिनेमा के चोटी के निर्देशकों में होती है। साउथ की फिल्मों के हिंदी संस्करण लिख लिखकर नाम कमाने वाले अनीस से इस बार की चार बातें। हां, मेरे पास लेखकों की पूरी टीम चलती है। मैंने अपना एक राइटिंग रूम बनाया है, जहां मैं नियमित तौर से बैठता हूं और लेखकों के साथ अलग-अलग विषयों पर विचार करता हूं। मेरी कोशिश एक लार्जर दैन लाइफ वेब सीरीज बनाने की अरसे से रही है। मेरे पिता शायर थे। मेरी लेखन में दिलचस्पी वहीं से आई। मैंने तमाम फिल्में दूसरों के लिए लिखी हैं, जिनमें मेरा नाम नहीं है। बतौर लेखक जिस फिल्म में पटकथा लेखक का मुझे क्रेडिट मिला, वह फिल्म रही डेविड धवन की 'स्वर्ग'। आशापूर्णा देवी की कहानी 'जोग बियोग' पर ये फिल्म बनी है। मैंने सफलता मिलने का इंतजार किया और मेरा मानना है कि लंबे समय तक वही सफलता टिकती है, जो आपको इसके लायक बनाने के बाद आती है। शॉर्टकट वाले यहां टिकते नहीं हैं। 'भूल भुलैया 3' के बाद से मेरे पास तकरीबन रोज ही कोई न कोई प्रस्ताव आता रहता है। लेकिन, मैं अपना अगला प्रोजेक्ट पहले ही शुरू कर चुका हूं। ये क्या है, इस बारे में आधिकारिक एलान तक इंतजार करना ठीक रहेगा। मुझे लगता है कि दर्शकों को 'भूल भुलैया 4' का इंतजार होगा। सिनेमा में कला और गणित दोनों का मिश्रण होता है। ये एक कारोबार है, और ये बात समझनी हर निर्देशक को जरूरी है। बतौर निर्माता कोई भी फ्लॉप फिल्म नहीं बनाना चाहता। निर्देशक भी अपनी समझ से सारी फिल्में हिट फिल्में ही बनाते हैं, लेकिन मेरी फिल्म शर्तिया हिट होगी, ये कोई निर्देशक नहीं कहता।

अपने गाये गाने चिकनी चमेली पर शर्मिंदा हैं श्रेया घोषाल

फिल्मों का हमारे जीवन पर बहुत गहरा असर पड़ता है।

बॉलीवुड | गपशप

श्रेया घोषाल इंडस्ट्री की मशहूर गायिकाओं में से एक हैं, जिन्होंने कई सुपरहिट ट्रैक गाए हैं। इनमें से एक गाना चिकनी चमेली भी है, जो ऋतिक रोशन की 2012 में रिलीज हुई अग्निपथ का गाना है। इस गाने में कैटरीना कैफ ने डांस किया है। श्रेया ने हाल ही में स्वीकार किया कि जब वह छोटी लड़कियों को बिना इसका अर्थ समझे गाते हुए देखती हैं, तो उन्हें इस गाने से शर्मिंदगी महसूस होती है। हाल ही में कनाडाई यूट्यूबर लिली सिंह के साथ बातचीत के दौरान श्रेया घोषाल ने कहा, मेरे पास कुछ गाने हैं, जो सीमा रेखा पर अश्लील नजर आते हैं, जैसे चिकनी चमेली। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सालों में, वह छोटी लड़कियों को बिना गीत के बोल समझे ऐसे गाने गाते हुए देखकर सचेत हो गई हैं। इस इंटरव्यू के दौरान श्रेया ने कहा, यह एक मजेदार गाना है, बच्चे इस पर नाचते हैं और जब वह कहते हैं, क्या मैं इसे आपके सामने गा सकता हूं? फिर मुझे बहुत शर्मिंदगी महसूस होती है कि एक छोटी लड़की, जो शायद 5-6 साल की होगी, उन गीतों को गा रही है। यह ठीक नहीं लगता, यह अच्छा नहीं लगता, मैं ऐसा नहीं चाहती। श्रेया अब अपने द्वारा गाए जाने वाले गानों को लेकर बहुत सजग हो गई हैं। उन्होंने बताया कि भले ही वह गाना गाने के लिए राजी हो जाएं, लेकिन वह चाहती हैं कि गाना अच्छा लिखा हुआ हो। उन्होंने आगे कहा अगर ऐसा गाना किसी महिला ने लिखा होता, तो यह थोड़ा सुंदर होता। श्रेया ने आगे कहा, शायद अगर कोई महिला इसे लिख रही होती, तो वह इसे बहुत ही शालीन तरीके से लिखती। हमारे समाज में, खासकर भारत में, कुछ मानक स्थापित करना जरूरी है, क्योंकि संगीत और

रजनीकांत की कुली में हुई पूजा हेगड़े की एंट्री

रजनीकांत की आगामी फिल्म है कुली। लोकेश कनगराज इसका निर्देशन कर रहे हैं। एलान के बाद से ही यह फिल्म काफी चर्चा में है। अब इसकी स्टारकास्ट में एक चर्चित साउथ अभिनेत्री का नाम जुड़ गया है। वह अभिनेत्री हैं पूजा हेगड़े। फिल्म कुली में पूजा हेगड़े की एंट्री की जानकारी मेकर्स ने दी है। बाकायदा उनकी पहली झलक भी साझा की गई है। इस फिल्म के निर्देशन की कमान संभालने के साथ-साथ लोकेश कनगराज ने फिल्म की कहानी भी लिखी है। इस फिल्म में नागार्जुन, सत्यराज, श्रुति हासन और सौबिन शाहिर जैसे

कलाकार भी नजर आएंगे। अब कुली में अभिनेत्री पूजा हेगड़े की एंट्री हो गई है। मेकर्स ने पोस्टर जारी करते हुए टीम में पूजा हेगड़े का स्वागत किया है। साथ में लिखा है, हां, आपने सही अनुमान लगाया। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि इस फिल्म में बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान भी नजर आएंगे। फिल्म में उनका कैमियो होने की खबर है। इससे पहले खबर आई थी कि शाहरुख खान या रणवीर सिंह कुली में एक खास भूमिका निभाएंगे, लेकिन ऐसी खबरें अफवाह ही साबित हुईं। फिल्म कुली इसी साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हालांकि, रिलीज डेट अभी सामने नहीं आई है। कुली में पूजा हेगड़े की एंट्री पर यूजर्स खुशी जता रहे हैं। फिल्म को लेकर दर्शकों की काफी उम्मीदे हैं। पूजा हेगड़े के वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्हें इस साल जनवरी में रिलीज हुई फिल्म देवा में देखा गया। इस फिल्म में उनकी जोड़ी शाहिद कपूर के साथ जमी। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म फ्लॉप साबित हुई।

अजब-गजब | अपनी संस्कृति और प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है यह देश

इस देश में नहीं है एक भी सिनेमाघर

सिनेमा हर देश की संस्कृति को प्रतिबिंबित करता है। थिएटर में तीन घंटे तक फिल्म देखना आपको एक तरह का आनंद देता है। उस दौरान हम अपने सारे गमों को भुलाकर फिल्मी कहानी में खो जाते हैं। फिल्मों को देखते हुए ऐसा लगता है कि हम भी उस कहानी का हिस्सा बन गए हैं।

बात भारतीय दर्शकों की करें तो फिल्में हमारे लिए एक जुनून की तरह हैं। इसी को ध्यान में रखकर हर हफ्ते सिनेमा प्रेमियों को आकर्षित करने के लिए थिएटर में नई फिल्में रिलीज की जाती हैं। कई लोग सप्ताह में एक बार तो अपने परिवार के साथ फिल्म देखने सिनेमा हॉल चले ही जाते हैं। विशेषकर दक्षिण भारत में लोग सिनेमा को बहुत महत्व देते हैं। यूं तो देश के हर हिस्से में लोग फिल्में देखते हैं। लेकिन दक्षिण भारत का क्रेज कुछ अलग ही है। फिल्मों को लेकर उनका जुनून इतना अधिक है कि वे सिनेमा हॉल के बाहर अपने पसंदीदा सुपरस्टार्स के बड़े-बड़े कटआउट लगाकर जश्न मनाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि किस देश में एक भी सिनेमा हॉल यानी मूवी थिएटर नहीं हैं? आइये जानते हैं कि वह कौन सा देश है। पहली बार में पढ़ने के बाद थोड़ी अचर होती है, लेकिन हम सच

कह रहे हैं। दुनिया में एक ऐसा देश है, जहां पर मूवी थिएटर नहीं है। वो वेटिकन सिटी जैसा छोटा सा देश नहीं, बल्कि उससे काफी बड़ा देश है। ये हमारे पड़ोस में बसा है।

थिएटर उन तमाम सिने प्रेमियों को एक विशेष अनुभव देता है, जिन्हें फिल्में देखना बेहद पसंद है। लेकिन पड़ोस में ही वो मुल्क है, जहां पर सिनेमा हॉल ही नहीं है। वैसे इस देश में भारत की पेट्रोलियम कंपनियां ही पेट्रोल-डीजल बेचती हैं। लेकिन वो न तो नेपाल है और ना ही बांग्लादेश या पाकिस्तान। बिना किसी देरी के आइये उस देश के बारे में। बड़े देशों की तुलना में यह देश काफी छोटा और अविकसित है। इसके अलावा यहां पर बुनियादी ढांचे का भी आभाव है। लेकिन यह देश अपनी संस्कृति और प्राकृतिक सुंदरता के लिए दुनिया भर में जाना जाता है। आपको हैरानी होगी कि इस देश में फिल्मों पर प्रतिबंध है, क्योंकि यहां की संस्कृति के अनुसार ऐसा माना जाता है कि फिल्मों का समाज पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। वह देश कोई और नहीं बल्कि हमारा पड़ोसी मुल्क भूटान है। वहां न तो सिनेमा हॉल है और ना ही फिल्में बनती हैं। हालांकि, टेलीविजन की शुरुआत 1999 में हुई। दरअसल, यहां की सरकार ने देश में अपनी संस्कृति को संरक्षित रखने के लिए यह निर्णय लिया।

भूटान में लोग अपने घरों में टीवी पर या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर फिल्में देखते हैं। लेकिन उनके पास सिनेमाघर में जाकर फिल्म देखने का अनुभव नहीं है। भूटान के बारे में यह जानकारी अजीब लगती है। हालांकि, इस देश से जुड़े अभी भी कई रहस्य हैं, जो दुनिया से छिपे हुए हैं। बता दें कि कैलडेन केली (सोनम दोरजी) एक भूटानी अभिनेता, मॉडल और कलाकार हैं। उन्होंने भारतीय फिल्मों में भी काम किया।

शायद आपको नहीं होगा मालूम, भारत के इस रेलवे स्टेशन का नाम है दुनिया में सबसे छोटा

रेलवे भारत में सार्वजनिक परिवहन का सबसे बड़ा साधन है। रेलगाड़ियां प्रतिदिन देश के विभिन्न भागों से आने-जाने वाले लाखों लोगों के लिए परिवहन का सबसे विश्वसनीय साधन हैं। स्वतंत्रता के बाद जैसे-जैसे समय बीतता गया, रेल सेवाओं का विस्तार देश के सुदूर कोनों तक होता गया। वह काम अभी भी जारी है। कोई भी ट्रांसपोर्ट सिस्टम रेल से कम खर्च में लंबी दूरी तक नहीं पहुंच सकता। भले ही हम रेलगाड़ी से यात्रा करते हैं और रेलवे लाइन देखते हैं, लेकिन भारतीय रेलवे के बारे में ऐसी कई बातें हैं, जिनसे हम अनजान हैं। इनमें से एक नाम देश और दुनिया के सबसे छोटे रेलवे स्टेशन का भी है।

जो लोग भारत के सबसे छोटे रेलवे स्टेशन के नाम से परिचित नहीं हैं, उन्हें यह नाम सुनकर आश्चर्य होगा। ऐसा इसलिए, क्योंकि देश के सबसे छोटे रेलवे स्टेशन का नाम सिर्फ 2 अक्षरों का है। यह आश्चर्यजनक लग सकता है, लेकिन यह सच है। भारत का सबसे छोटा रेलवे स्टेशन ओडिशा में है और उस स्टेशन का नाम है इब। इस रेलवे स्टेशन का नाम अंग्रेजी में केवल IB लिखा जाता है। बता दें कि ओडिशा से होकर बहने वाली महानदी की कई सहायक नदियां हैं। इनमें से एक सहायक नदी ईब है। इस नदी के नाम पर ही ओडिशा के इस रेलवे स्टेशन का नाम रखा गया है। यह नाम इब स्टेशन को देश के हजारों स्टेशनों से अलग खड़ा करता है, भले ही यह बहुत बड़ा नहीं है।

ओडिशा के झारसुगुड़ा जिले में स्थित यह स्टेशन भारतीय रेलवे के बिलासपुर डिवीजन का हिस्सा है। इब्ब रेलवे स्टेशन पर दो मुख्य प्लेटफार्म हैं। यह स्टेशन 1891 से कार्यरत है इसका मतलब यह है कि यह स्टेशन 134 साल से भी ज्यादा पुराना है।

संघ व भाजपा कर रही साजिश

तेजस्वी बोले- नीतीश के बेटे को राजनीति में आने से रोकने की तैयारी

» पीएम ने लगाया था नीतीश पर भोजन की प्लेटें छीनने का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के विपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद ने भाजपा पर फिर तीखा प्रहार किया। राजद नेता क। मानना है कि निशांत के राजनीति में आने से जदयू के विलुप्त होने से बच जाने की संभावना है, जो भाजपा और उसके समर्थकों को पसंद नहीं है। श्री यादव ने कहा, सबसे पहले तो यह स्पष्ट होना चाहिए कि चाहे निशांत हो या कोई और, राजनीति में प्रवेश करने का निर्णय व्यक्ति का अपना होना चाहिए। मेरे माता-पिता (पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद और राबड़ी देवी) ने मुझे राजनीति में आने के लिए नहीं कहा था।

मैंने बिहार का दौरा करने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं और आम जनता का मूड भांपते हुए खुद यह निर्णय लिया। यादव ने कहा, '' बेशक, अगर वह आगे आते हैं तो पार्टी को विलुप्त होने से बचाया जा सकता है। इसलिए, जद(यू) में मौजूद संधियों की मदद से भाजपा में कई लोग उनके प्रवेश को रोकने की साजिश में लगे हुए हैं। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने बुधवार को मंत्रिमंडल विस्तार को हल्के में लेते हुए कहा कि इससे कोई प्रभाव नहीं पड़ने वाला है। उन्होंने कहा कि यह उन सभी के लिए आखिरी मौका हो सकता है, क्योंकि चुनाव कुछ ही महीने दूर हैं और बिहार के लोगों ने राजगको वोट नहीं देने का मन बना लिया है, जिसने राज्य पर करीब 20 साल तक शासन किया है। उन्होंने हाल ही में भागलपुर दौरे पर आए बिहार के मुख्यमंत्री पर स्नेह बरसाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मखौल उड़ाया और दोनों नेताओं को पुरानी कटुता याद दिलाई। यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री ने नीतीश जी को लाडला कहा, हालांकि एक बार नीतीश पर भोजन की प्लेटें छीन लेने का आरोप लगाया गया था। उन्होंने कई साल पहले नीतीश द्वारा एक रात्रिभोज को रद्द करने की घटना का जिक्र किया।

सीएम के अपमानजनक बयानों से पीएम का सीना हुआ चौड़ा

यादव ने कहा, मोदी जी को बहुत शर्मिंदगी महसूस हुई जब नीतीश जी ने जब राजग में नहीं थे, विधानसभा के भीतर कुछ टिप्पणी की। अब नीतीश जी भाजपा के सहयोगी हैं और उनके अपमानजनक बयानों से प्रधानमंत्री का सीना 56 इंच से भी ज्यादा चौड़ा हो गया है। उन्होंने कहा, बिहार ने अपना मन बना लिया है। भाजपा यहां सत्ता हासिल नहीं कर पाएगी। लेकिन वह मोदी और योगी जैसे अपने 'पोस्टर बॉय' भेजकर कोशिश जारी रख सकती है।

शारीरिक रूप से टायर्ड मानसिक रूप से रिटायर्ड हैं नीतीश : पीके

प्रशांत किशोर ने भविष्यवाणी की कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी आगामी चुनावों में एक भी सीट हासिल करने में विफल रहेगी, उन्होंने कहा कि अनुभवी नेता शारीरिक रूप से थके हुए और मानसिक रूप से सेवानिवृत्त हैं। प्रशांत ने कहा कि किसी भी हालत में जदयू का कोई भी उम्मीदवार नहीं जीतना चाहिए। नीतीश ने बिहार में एक नया चलन शुरू किया है कि अगर उनकी पार्टी के 5-10 उम्मीदवार भी जीत जाएं, तो भी वह गठबंधन बनाएंगे और सत्ता में आएंगे। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार शारीरिक रूप से थक चुके हैं और मानसिक रूप से रिटायर हो चुके हैं और अगर उन्हें अब भी बीजेपी का समर्थन हासिल है तो इसका मतलब साफ है कि बीजेपी बिहार में सरकार का हिस्सा बने रहना चाहती है। पीके ने कहा कि इस सरकार का कार्यकाल खत्म होने से 6 महीने पहले 7 नए मंत्रियों को शपथ दिलाने का सीधा सा मतलब है कि ये जाने से पहले जनता को लूटना चाहते हैं।

जनता को लूटने के लिए किया गया मंत्रिमंडल विस्तार

हरियाणा में कांग्रेस ने की बड़ी कार्रवाई

» पांच नेताओं को दिखाया बाहर का रास्ता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा में कांग्रेस इकाई ने पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में पांच नेताओं को छह साल के लिए निष्कासित कर दिया। हरियाणा कांग्रेस प्रमुख उदय भान द्वारा जारी पार्टी आदेश में कहा गया है कि नगर निगम चुनाव (2025) की चल रही प्रक्रिया के दौरान हाल के दिनों में पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल पाए जाने वाले पार्टी नेताओं से संबंधित संचार के विभिन्न माध्यमों से रिपोर्ट प्राप्त होने के परिणामस्वरूप, निम्नलिखित व्यक्तियों को तत्काल प्रभाव से 6 साल के लिए पार्टी से निष्कासित किया जाता है। जिन लोगों को निष्कासित किया गया है उनमें पूर्व विधायक रामबीर सिंह भी शामिल हैं। चार अन्य नेता विजय कौशिक, राहुल चौधरी, पूजा रानी और रूपेश मलिक हैं।

इसमें कहा गया कि यह आदेश हरियाणा में पार्टी मामलों के प्रभारी बीके हरिप्रसाद के परामर्श से जारी किया गया था। 19 फरवरी को, हरियाणा कांग्रेस ने अगले महीने होने वाले नागरिक चुनावों से पहले पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए अपने सात नेताओं को निष्कासित कर दिया। निष्कासित लोगों में करनाल के पूर्व जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष तरलोचन सिंह और अशोक खुराना, यमुनानगर के पार्टी नेता प्रदीप चौधरी और मधु चौधरी, हिसार के वरिष्ठ नेता राम निवास रारा, गुरुग्राम के पार्टी नेता हरविंदर और पीसीसी प्रतिनिधि, गुरुग्राम, राम किशन सैन शामिल हैं। रारा और सिंह हाल ही में सत्तारूढ़ भाजपा में शामिल हुए थे। रारा ने पिछला विधानसभा चुनाव असफल रूप से लड़ा था जबकि सिंह 2019 के विधानसभा चुनाव में करनाल विधानसभा सीट से पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर से हार गए थे।

चैंपियंस ट्रॉफी : पाकिस्तान का सफर नौ दिन में खत्म

» अंक तालिका में रहा सबसे नीचे, बारिश के चलते बांग्लादेश से मैच रद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रावलपिंडी। रावलपिंडी में पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच ग्रुप-ए का मुकाबला बारिश की वजह से रद्द कर दिया गया। इसी के साथ चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में मेजबान पाकिस्तान के सफर का बुरा अंत हुआ है। टीम तीन में से एक भी मैच नहीं जीत पाई। मैच रद्द होने की वजह से दोनों टीमों को एक-एक अंक तो मिला, लेकिन रिजवान की टीम ग्रुप-ए में आखिरी स्थान पर रही। बांग्लादेश ने उनसे ऊपर तीसरे स्थान पर रहते हुए सफर का अंत किया। ग्रुप-ए से भारत और न्यूजीलैंड ने सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई किया है।

बांग्लादेश की टीम तीन मैचों में दो हार और एक बेनतीजा मैच के साथ एक अंक और -0.44 नेट रन रेट लेकर तीसरे स्थान पर रही। वहीं, पाकिस्तान की टीम -1.09 नेट रन रेट के साथ चौथे स्थान पर रही। पाकिस्तान और बांग्लादेश को न्यूजीलैंड और भारत के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। पाकिस्तान ने इसके साथ ही कुछ अनचाहे रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए हैं। 2009 के बाद यह पहली बार है जब चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबान टीम ग्रुप चरण से ही बाहर हो गई है। आखिरी बार ऐसा दक्षिण अफ्रीका के साथ हुआ था जब टीम ने तीन में से दो मैच हारे और एक में उसे जीत मिली थी। इतना ही नहीं पाकिस्तान ऐसी चौथी टीम है जो चैंपियंस ट्रॉफी में खिताब का बचाव करने उतरी, लेकिन ग्रुप चरण में ही बाहर हो गई। पहली बार ऐसा 2004 में हुआ जब भारत और श्रीलंका ग्रुप चरण में ही बाहर हो गई थी। भारत और श्रीलंका 2002 में इस टूर्नामेंट के संयुक्त विजेता बने थे। आखिरी बार 2013 में ऐसा हुआ था जब गत चैंपियन टीम ग्रुप चरण में बाहर हो गई थी। उस वक्त ऑस्ट्रेलिया कोई मैच नहीं जीत सकी थी।

एक भी मैच नहीं जीत सका पाक

न तो गेंदबाज चले और न ही बल्लेबाज

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में न तो पाकिस्तान के बल्लेबाज चले और न ही गेंदबाज चले। पाकिस्तान टीम की मजबूती उनके गेंदबाजों को माना जाता है, लेकिन पिछले पांच वनडे में उनके स्ट्राइक गेंदबाजों का गेंदबाजी औसत बेहद खराब रहा है। शाहीन अफरीदी का पिछले पांच वनडे में गेंदबाजी औसत 42.6 का, नसीम शाह का 56.2 का और हारिस रऊफ का 77.7 का रहा है। चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान की गेंदबाजी सबसे फिसड्डी रही है। वहीं, दूसरा सबसे खराब गेंदबाजी स्ट्राइक रेट रहा है। बल्लेबाजी की बात करें तो पाकिस्तान के बल्लेबाजों ने शुरुआती 10 ओवर यानी पहले पावरप्ले में सबसे खराब रन रेट से रन बनाए हैं। पहले पावरप्ले में टीम के डॉट बॉल खेलने का प्रतिशत भी सबसे खराब है। टीम के बल्लेबाजों ने शुरुआती 10 ओवर में सबसे खराब गेंद प्रति बाउंड्री दर भी है।

भाजपा फर्जी वोटर कार्ड बनवा रही: ममता

» सीएम बोलीं- निर्वाचन आयोग निष्पक्ष नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा 2026 के विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी की रणनीति का खाका तैयार किया गया। इस दौरान ममता बनर्जी ने भाजपा पर जमकर वार किया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जब तक निर्वाचन आयोग निष्पक्ष नहीं होगा, तब तक स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव नहीं हो सकते। उन्होंने हुंकार भरते हुए कहा कि हम उन फर्जी मतदाताओं की पहचान करेंगे, जिन्हें भाजपा की मदद से पंजीकृत किया गया है।

ज्ञानेश कुमार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त नियुक्त करने पर ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा निर्वाचन आयोग को प्रभावित करने की कोशिश कर रही है। एक अन्य घटनाक्रम में, टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने उन रिपोर्टों को खारिज कर दिया कि पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी के साथ उनके मतभेद हैं, और उनके प्रति अपनी वफादारी की पुष्टि की। उन्होंने कोलकाता में एक पार्टी सम्मेलन में कहा, मैं टीएमसी का एक वफादार सिपाही हूं और मेरी नेता ममता बनर्जी हैं। उन्होंने भाजपा में शामिल होने की अटकलों को खारिज करते हुए कहा, जो लोग कह रहे हैं कि मैं भाजपा में शामिल हो रहा हूं, वे अफवाह फैला रहे हैं। उधर राज्य में आगामी 26 में होने वाले विधान सभा चुनाव के लिए भाजपा व कांग्रेस समेत सभी दलों ने तैयारी शुरू कर दी है। कांग्रेस व बीजेपी बूथ स्तर पर लग गई है।

हम बाहरी लोगों को बंगाल पर कब्जा नहीं करने देंगे

उन्होंने कहा कि हम बाहरी लोगों को बंगाल पर कब्जा नहीं करने देंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने हरियाणा, गुजरात के नकली मतदाताओं का नामांकन कराकर दिल्ली और महाराष्ट्र में चुनाव जीते। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो हम मतदाता सूची से फर्जी मतदाताओं को हटाने की मांग को लेकर निर्वाचन आयोग कार्यालय के समक्ष धरना देंगे।

शिक्षा मंत्रालय की नाराजगी के बाद पित्रोदा ने दी सफाई

» कांग्रेस नेता बोले- मैं आईआईटी रुड़की में बोल रहा था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की नाराजगी के बाद कांग्रेस की विदेश शाखा के प्रमुख सैम पित्रोदा ने सफाई दी है कि वे आईआईटी रुड़की में आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे, जब उनके भाषण के तुरंत बाद अश्लील कंटेंट स्क्रीन पर चलना शुरू हो गया था। दरअसल पूर्व में सैम पित्रोदा ने दावा किया था कि आईआईटी रांची में छात्रों को संबोधित करते हुए यह घटना घटी।

पित्रोदा ने बताया मुझे आईआईटी रुड़की में बोलने के लिए आमंत्रित किया गया था। यह कार्यक्रम 1 फरवरी 2025 को आयोजित हुआ था, दुर्भाग्य से मेरा भाषण शुरू होने के कुछ मिनट बाद ही एक हैकर ने वीडियो कॉल को हैक कर लिया और स्ट्रीमिंग पर अश्लील कंटेंट चलने लगा।

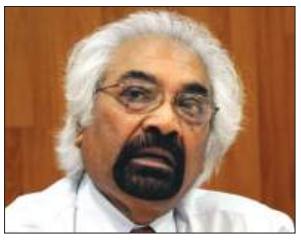

महाराष्ट्र में शर्मनाक घटना के बाद सियासी उबाल

पुणे में बस के अंदर महिला का बलात्कार, विपक्ष ने महायुति सरकार को घेरा

» आरोपी दत्तात्रेय रामदास गाडे को पुलिस ने दबोचा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में दिल्ली की निर्भया कांड की तरह एक धटना घटी जिसमें पुणे में बस के अंदर महिला का बलात्कार किया गया है। हालांकि दरिंदा पकड़ा गया। पुलिस ने आरोपी दत्तात्रेय रामदास गाडे को दबोच लिया। इसको लेकर राज्य की सियासत में उबाल आ गया है। राज्य के विपक्षी दलों ने भाजपा की फडणवीस सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा है राज्य की कानून व्यवस्था बदतर हो गइ है।

कांग्रेस, एनसीपी शरद पवार, यूबीटी शिवसेना ने कहा है जबसे भाजपा की सरकार आई है राज्य में महिलाएं सुरक्षित नहीं है। उधर राज्य सरकार ने कहा है कि दोषी को सख्त से सख्त सजा दी जाएगी। आरोपी का पता लगाने के लिए महाराष्ट्र में कई जगहों पर तेरह पुलिस टीमें तैनात की गई थीं। गुरुवार को पुणे पुलिस ने शिरुर तहसील में सघन तलाशी अभियान चलाया, जिसमें खोजी कुत्तों और ड्रोन का इस्तेमाल करके घने गन्ने के खेतों की तलाशी ली गई, जहां गडे के छिपे होने का संदेह था। यह गिरफ्तारी पुणे में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच हुई है, जिसके चलते अधिकारियों ने शहर भर के परिवहन केंद्रों पर सुरक्षा उपायों को कड़ा कर दिया है।

विपक्षी गठबंधन की सरकार होती तो भाजपा हंगामा काट देती : राउत

संजय राउत ने कहा कि अगर राज्य में विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी की सरकार होती तो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महिला नेता अब तक राज्य मुख्यालय मंत्रालय के बाहर हंगामा कर रही होती। राउत ने महिलाओं के लिए वित्तीय सहायता की भाजपा नीत सरकार की लाडकी बहिन योजना का जिक्र करते हुए पूछा, हर महीने 1,500 रुपये देकर क्या आपने महिलाओं का आत्मसम्मान खरीद लिया है? उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को उपमुख्यमंत्री अजित पवार से जवाब मांगना चाहिए जो पुणे के संरक्षक मंत्री भी हैं। शिवसेना (उबाठा) नेता ने कहा, यह दिल्ली के निर्भया कांड जैसा

है। सौभाग्य से, महिला बच गई (इस मामले में)। दिल्ली में 2012 में फिजियोथैरेपी की 23 वर्षीय छात्रा, जिसे बाद में 'निर्भया' कहा जाने लगा, के साथ दिल्ली में एक बस में सामूहिक बलात्कार किया गया।

केवल कानून बनाकर ऐसी घटना को नहीं रोक सकते : चंद्रचूड़

पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि निर्भया घटना के बाद कानूनों में बहुत सारे बदलाव किए गए, हालांकि, हम केवल कानून बनाकर ऐसी घटना को नहीं रोक सकते। चंद्रचूड़ ने कहा कि समाज पर बड़ी जिम्मेदारी है और इसके अलावा कानूनों का क्रियान्वयन भी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए बने कानूनों को सही ढंग से लागू किया जाना चाहिए। महिलाएं जहां भी जाएं उन्हें सुरक्षित महसूस करना चाहिए। जरूरी है कि ऐसे मामलों में उचित जांच, कड़ी कार्रवाई, त्वरित सुनवाई और सजा

हो। क़ानून व्यवस्था और पुलिस की बड़ी ज़िम्मेदारी है।

स्वारगेट बस स्टेशन से पकड़ा गया आरोपी

पुणे पुलिस ने शुक्रवार को स्वारगेट बस स्टेशन पर खड़ी बस के अंदर 26 वर्षीय महिला के साथ कथित तौर पर बलात्कार करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुणे सिटी पुलिस के जोन 2 के डीसीपी स्मार्टाना पाटिल ने एएनआई को बताया, आरोपी दत्तात्रेय रामदास गाडे को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया है। गाडे का नाम पुणे और अहिल्यानगर जिलों में चोरी, डकैती और चेन स्नैचिंग के आधा दर्जन मामलों में दर्ज है। वह इनमें से एक अपराध के लिए 2019 से जमानत पर बाहर है।

आरोपी के खिलाफ कई आपराधिक मामले हैं दर्ज

हिस्ट्रीशीटर गाडे (37) पर मंगलवार सुबह स्टेट ट्रांसपोर्ट (एसटी) बस के अंदर महिला के साथ बलात्कार करने का आरोप है। उसका आपराधिक रिकॉर्ड है और पुणे और अहिल्यानगर जिलों में उसके खिलाफ चोरी, डकैती और चेन-स्नेचिंग के कम से कम छह मामले दर्ज हैं। पुलिस ने बताया कि इनमें से एक मामले में आरोपी 2019 से जमानत पर बाहर था।

गंगा में डुबकी लगाने से शिंदे का पाप नहीं धुल जाएगा: उद्धव ठाकरे

» शिवसेना नेता व डिप्टी सीएम पर यूबीटी सेना का निशाना

» महाराष्ट्र को धोखा देने वाले न दें सीख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर निशाना साधते हुए कहा कि गंगा में डुबकी लगाने से महाराष्ट्र को धोखा देने का पाप नहीं धुलेगा। वे हमें सीख न दें। मराठी गौरव दिवस के अवसर पर पार्टी के एक कार्यक्रम में ठाकरे ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर परोक्ष हमला करते हुए कहा कि नव-हिंदुत्ववादियों को उनकी पार्टी को भगवान राम का महत्व सिखाने की जरूरत नहीं है।

ठाकरे ने शिंदे का नाम लिए बगैर कहा, ''मैं गंगा का सम्मान करता हूं, लेकिन 50 खोखे लेने के बाद इसमें डुबकी लगाने का क्या फायदा है। यहां, आप महाराष्ट्र को धोखा

देते हैं, 50 खोखे लेते हैं और फिर डुबकी लगाते हैं। इससे किसी का पाप नहीं धुलता। (गंगा में) कई बार डुबकी लगाने के बाद भी विश्वासघाती होने का ठप्पा कैसे जाएगा। पार्टी में विभाजन के बाद 2022 में शिवसेना (उबाठा) ने शिंदे और 39 विधायकों पर शिवसेना नेतृत्व के खिलाफ विद्रोह करने के लिए 50 खोखे (प्रत्येक को 50 करोड़ रुपये) लेने का आरोप लगाया थी। शिंदे के विद्रोह के कारण ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास आघाडी (एमवीए) सरकार गिर गई

भाजपा पर भी बरसे पूर्व महाराष्ट्र सीएम

भाजपा पर हमला करते हुए ठाकरे ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश उन लोगों के हाथों में है जिनका स्वतंत्रता संग्राम से कोई संबंध नहीं है और राज्य उन लोगों के हाथों में है जिनका संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन से कोई संबंध नहीं था।

थी। शिंदे और शिवसेना विधायक इस सप्ताह की शुरुआत में महाकुंभ के लिए प्रयागराज गए थे। इससे पहले दिन में शिंदे ने महाकुंभ में शामिल नहीं होने के लिए ठाकरे पर कटाक्ष किया था और कहा था कि ठाकरे खुद को हिंदू कहलाने से डरते हैं। शिंदे ने उद्धव ठाकरे का नाम लिए बिना पत्रकारों से कहा, ''जो लोग महाकुंभ में शामिल नहीं हुए, उनसे पूछा जाना चाहिए कि उन्होंने इसमें हिस्सा क्यों नहीं लिया।

संभल की शाही जामा मस्जिद की नहीं हो सकेगी रंगाई-पुताई

» साफ- सफाई कराए जाने की मांग को मंजूरी

» इलाहाबाद हाई कोर्ट का बड़ा फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। संभल की विवादित शाही जामा मस्जिद की रंगाई पुताई की इजाजत की मांग मामले में मस्जिद कमेटी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से फौरी राहत मिल गई है। हाईकोर्ट ने मस्जिद में साफ सफाई कराए जाने की मांग को मंजूरी दे दी है। आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ़ इंडिया मस्जिद परिसर में साफ सफाई कराएगा।

हालांकि कोर्ट ने अभी व्हाइट वॉश यानी मस्जिद की रंगाई-पुताई, मरम्मत और लाइटिंग को लेकर कोई फैसला नहीं सुनाया है। हाईकोर्ट इस मामले में सभी पक्षों को सुनने के बाद मंगलवार 4 मार्च

को अपना फैसला सुनाएगा. कोर्ट में आज हुई सुनवाई के दौरान आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया ने अपनी रिपोर्ट पेश की। एएसआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि मस्जिद में पहले से ही पेंटिंग है, ऐसे में नए सिरे से पेंटिंग कराए जाने की कोई जरूरत नहीं है। एएसआई। इस रिपोर्ट पर मस्जिद कमेटी ने कोर्ट में आपत्ति जताई है।

हिंदू पक्ष ने हलफनामा दाखिल करने की मांगी इजाजत

इस मामले पर जस्टिस रोहित रंजन अग्रवाल की सिंगल बेंच में सुनवाई हुई। बेंच ने मस्जिद कमेटी को लिखित तौर पर आपत्ति दाखिल करने को कहा है। मस्जिद कमेटी को 4 मार्च को अपनी आपत्ति दाखिल करनी होगी। हिंदू पक्ष ने भी इस मामले में अपना हलफनामा दाखिल करने की इजाजत मांगी है। कोर्ट ने हिंदू पक्ष को भी 4 मार्च को ही हलफनामा दाखिल करने को कहा है। हिंदू पक्ष की तरफ से भी यह कहा गया है कि मरम्मत और पुताई होने से ढांचे को नुकसान हो सकता है।

राम रहीम की परोल के खिलाफ याचिका सुनने से 'सुप्रीम' इनकार

» कहा- किसी व्यक्ति विशेष को मिली राहत को चुनौती नहीं दी जा सकती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को हरियाणा सरकार की तरफ से बार-बार परोल या फर्लो पर रिहा किए जाने के खिलाफ याचिका सुनने से सुप्रीम कोर्ट ने मना किया। कोर्ट ने कहा कि जनहित याचिका के नाम पर किसी व्यक्ति विशेष को मिली राहत को चुनौती नहीं दी जा सकती।

अगर किसी नियम या हाई कोर्ट के आदेश का उल्लंघन हो रहा हो, तो इसे हाई कोर्ट में चुनौती दी जा सकती है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने यह याचिका दाखिल की थी। इसमें 2022 से अब तक राम रहीम के कई बार जेल से बाहर आने का विरोध किया गया था. विवादित धर्म गुरु की तरफ से पेश वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने कहा कि यह याचिका राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के चलते दाखिल की गई है।

भारत से ताजिकिस्तान, नेपाल से पाकिस्तान तक डोली धरती

» कुल 6 देशों में महसूस किये गये भूकंप के झटके

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पिछले 24 घंटे में असम से पाकिस्तान तक लगभग 6 बार धरती भूकंप के झटकों से हिली। शुक्रवार की रात नेपाल में 5.5 तीव्रता का भूकंप आया। इसके झटके बिहार और असम तक महसूस किए गए। लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। भूकंप भारतीय समयानुसार रात में 2:36 बजे आया। सुबह 5:14 बजे पाकिस्तान में भूकंप के झटके महसूस किए गए।

आइए जानते हैं पिछले 24 घंटे में कहां-कहां भूकंप आया? 27 फरवरी को म्यांमार, तिब्बत, ताजिकिस्तान और असम में भूकंप आया। असम के मोरीगांव में रात 2:25 बजे तेज झटकों से लोगों की नींद

खुल गई। इसके झटके ओडिशा और पश्चिम बंगाल तक महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर तीव्रता 5.0 मापी गई। 27 फरवरी को सुबह 6:27 बजे ताजिकिस्तान में भूकंप से धरती डोल उठी। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.3 रही। यहां भी किसी प्रकार के नुकसान की कोई खबर नहीं है। तिब्बत में 27 फरवरी की दोपहर 2:48 बजे 4.1 तीव्रता का भूकंप आया। इसके कुछ घंटे बाद शाम 5:10 बजे म्यांमार में लोगों में भूकंप के झटके महसूस किए। रिक्टर स्केल पर तीव्रता 3.2 रही।

नेपाल में केंद्र, पटना से दार्जिलिंग तक झटके

राष्ट्रीय भूकंप निगरानी और अनुसंधान केंद्र के मुताबिक नेपाल में आए भूकंप की रिक्टर स्केल पर तीव्रता 5.5 थी। राजधानी काठमांडू से लगभग 65 किलोमीटर पूर्व सिंधुपालचौक जिले के भैरवकुंड में इसका केंद्र था। हालांकि अभी तक किसी के हताहत या नुकसान होने की कोई खबर नहीं है। मगर झटके काफी तेज थे। लोग अपने घरों से बाहर निकल आए थे। नेपाल में आए भूकंप के झटके पटना, सिक्किम और दार्जिलिंग तक महसूस किए गए। इसके अलावा तिब्बत तक धरती डोली है।

पाकिस्तान में भूकंप: शुक्रवार की सुबह 5:14 बजे दूसरा भूकंप पाकिस्तान में आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.5 मापी गई। भूकंप का केंद्र पाकिस्तान के बरखान के पास था। 16 फरवरी को भी पाकिस्तान में भूकंप आया था। हालांकि अभी तक यहां भी किसी भी प्रकार के नुकसान की खबर नहीं है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।